राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 01 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–67 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दक्षिण भारत पहुंचाएगा भाजपा को 370 के आंकड़े के पार : गडकरी

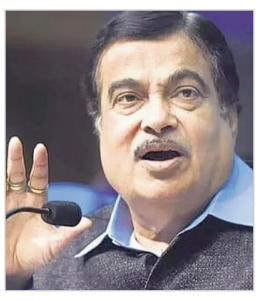

नागपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 370 सीट का लक्ष्य हासिल करने को लेकर पूरा भरोसा जताकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की मौजूदा 288 सीट में अतिरिक्त सीट दक्षिण भारत से जुड़ेंगी। एक साक्षात्कार में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि उनके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट के आंकड़े को पार करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए ठोस कार्यों के कारण मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने वाले हैं। उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि मोदी सरकार विपक्ष को कमजोर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिद्वंद्वियों को लोगों का विश्वास जीतकर विपरीत परिस्थितियों से उबरने का प्रयास करना चाहिए।गडकरी ने कहा, क्या विपक्ष को कमजोर या मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी है? जब हमारे पास सिर्फ दो सांसद थे और हम कमजोर थे, तब हमें सहानुभूति के तौर पर कभी कोई पैकेज नहीं मिला। गडकरी ने नागपुर में बड़े रोड शो के द्वारा अपना प्रचार अभियान शुरू किया। उनकी गाड़ियों का काफिला लोगों के हुजूम में रेंग रहा था और लोग 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद गडकरी का स्वागत करने के लिए खड़े थे। यह कार्यक्रम दो घंटे का था, लेकिन यह चार घंटे में खत्म हुआ, क्योंकि समर्थकों ने उनके साथ गुलाल लगाए, जिससे वह पूरी तरह सराबोर हो गये और जहां कहीं भी वह रुके, लोगों ने उन्हें कुछ न कुछ खाने की पेशकश की।

2 अप्रैल को रुद्रपुर में होगी पीएम मोदी की जनसभा

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की रैली के लिए बीजेपी ने संयोजक नियुक्ति कर दिए हैं। उत्तराखंड लोकसभा चुनाव 2024 में स्टार प्रचारकों का संभावित शेड्यूल भी बनाया गया है। बीजेपी के सभी प्रत्याशी चुनावी प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। इस जनसभा के लिए प्रदेश महामंत्री राजेंद्र बिष्ट,विकासनगर में होने वाली जनसभा और लोकसभा कोर कमेटी बैठक के लिए प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी को संयोजक बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चार अप्रैल को हरिद्वार में होने वाले रोड शो एवं संत समाज के साथ बैठक के लिए संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार को बनाया गया है।बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने बताया कि पीएम मोदी की दो अप्रैल को रुद्रपुर में होने वाली जनसभा के लिए प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के तीन अप्रैल को पिथौरागढ़ में चुनावी रैली होगी।

भारतीय नौसेना ने बचाई मछुआरों की जान, खुशी के चलते लगने लगे हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे

मुंबई। भारतीय नौसेना अपनी बहादुरी और सजगता के चलते समुद्र में वीरगाथा लिख रही है। आए दिन किसी न किसी जहाज पर समुद्री लुटेरे हमला कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय नौसेना बिना देरी किए उनकी जान बचा लेती है। पाकिस्तान के मछुआरों को जब बचाया गया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सभी एक जुटता से हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाना शुरु कर दिया। भारतीय नौसेना ने एक ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज को समुद्री डाकुओं को कब्जे से छुड़ाया और 23 सदस्यीय पाकिस्तानी चालक दल को भी सुरक्षित निकाल लिया। नौसेना ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें देखा जा सकता है कि अल-कंबर 786 जहाज का पाकिस्तानी चालक दल इंडिया जिंदाबाद के नारे लगा रहा है। नौसेना के मुताबिक दो जहाजों को अरब सागर में तैनात किया गया था। इन जहाजों ने हाइजैक किए गए जहाज को रोका। आईएनएस सुमेधा और आईएनएस त्रिशूल इस काम में लगाए गए थे। नौसेना ने कहा, 12 घंटे से ज्यादा की मशक्कत के बाद समुद्री डाकुओं को सरेंडर करने के लिए मजबूर कर दिया गया। इसपर सवार 23 पाकिस्तानियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उनका मेडिकल कराया गया और फिर जाने दिया गया.

एसी मशीन में लगी आग.....दम घुटने से चार लोगों की मौत

देवभूमि द्वारका । गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के द्वारका सिटी क्षेत्र में एक मकान के एसी मशीन में आग लग गई। इस दौरान दम घुटने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हुई, जबकि एक अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अग्निशमन विभाग के फायर इंचार्ज ने बताया कि रविवार तड़के माहेश्वरी भवन के निकट स्थित कमलेशभाई उपाध्याय के घर में एयर कंडीशनर मशीन में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों के साथ दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। कड़ी मशक्कत के बाद उन्होंने आग पर काबू पा लिया। इस दौरान घर में धुंआ भरने से वहां सो रहे पांच लोग धुंए से बेहोश हो गए। पांचों लोगों को बेहोशी की हालत में इमरजेंसी सर्विस 108 से अस्पताल पहुंचाया गया जहां पांच में से चार लोगों को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसमें से एक 80 वर्षीय महिला कुसुमबेन का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मृतकों की पहचान भामिनीबेन उपाध्याय (59), पावन क. उपाध्याय (32), उनकी पत्नी तिथी (28) और पुत्री ध्याना (07) के रूप में हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लाल कृष्ण आडवाणी को किया भारत रत्न से सम्मानित

इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति धनखड़, पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू रहे मौजूद

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता एवं पूर्व उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को रविवार को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आडवाणी के आवास जाकर देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू भी आडवाणी के आवास पर मौजूद थे। बता दें कि राष्ट्रपति भवन में अलंकरण समारोह आयोजित किया गया था, इसमें आडवाणी शामिल नहीं हो सके थे क्योंकि उनकी तबियत ठीक नहीं थी।

इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने रविवार को आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस दौरान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की। इन तस्वीरों के साथ राष्ट्रपति कार्यालय ने लिखा, भारतीय राजनीति के पुरोधा श्री आडवाणी ने सात दशकों से अधिक समय तक अटूट समर्पण और असाधारण कौशल के साथ देश की सेवा की है। वर्ष 1927 में कराची में जन्मे, श्री आडवाणी 1947 में विभाजन की पृष्ठभूमि में भारत चले आए। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अपने दृष्टिकोण के साथ, उन्होंने पूरे देश में दशकों तक कड़ी मेहनत की और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन किया। उन्होंने लिखा, एक सांसद के रूप में संवाद पर उनकी आस्था ने संसदीय परंपराओं को समृद्ध किया। केंद्रीय गृह मंत्री तथा उप प्रधान मंत्री के रूप में, उन्होंने सदैव राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखा, जिससे उन्हें दलगत सीमाओं से परे जाकर लोगों ने सम्मान और प्रशंसा प्रदान की। भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए उनके लंबे और अथक संघर्ष की परिणति 2024 में अयोध्या में श्री राम मंदिर के पुनर्निर्माण के रूप में हुई। वे स्वतंत्रता के बाद के उन गिने-चुने राजनीतिक नेताओं में हैं जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नया स्वरूप देने और देश को विकास-पथ पर आगे ले जाने में सफल रहे। भारत सरकार ने फरवरी की शुरुआत में बीजेपी के वरिष्ठ नेता आडवाणी को भारत रत्न देने की

भारत रत्न देने पर आडवाणी ने खुशी जताकर सभी का शुक्रिया किया था। आडवाणी के हवाले से उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि वह बहुत

अभिभूत हैं। वह कम बोलने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन उसकी आंखों में आंसू थे। उन्हें इसकी खुशी और संतुष्टि है, कि उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया।

ममता का बगावती सुर..... बंगाल में कोई इंडिया गठबंधन नहीं

माकपा और कांग्रेस भाजपा के लिए काम कर रहे

कृष्णानगर । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य का मखौल उड़ाकर भाजपा को 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती दी। ममता ने कहा कि वह नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को राज्य में लागू होने नहीं देंगी। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि सीएए के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति विदेशी बन जाएगा। उन्होंने लोगों से इसके लिए आवेदन न करने का अनुरोध किया।

ममता ने कहा, ''भाजपा कह रही है '400 पार', मैं उन्हें पहले 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 200 से अधिक सीट लाने का आह्वान किया था, लेकिन महज 77 पर रुक गई। उन्होंने महीने की शुरुआत में लगी चोट के बाद पहली रैली को संबोधित कर कहा, ''सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का जाल है। हम पश्चिम बंगाल में न सीएए और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू होने देने वाले हैं।

ममता ने बंगाल में ''भाजपा से हाथ मिलाने'' के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों - मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशी महुआ मोइत्रा के समर्थन में कृष्णानगर में एक चुनावी रैली में कहा, 'बंगाल में कोई 'इंडिया' गठबंधन नहीं है। माकपा और कांग्रेस बंगाल में भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी सांसद मोइत्रा को बदनाम किया गया और उन्हें लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया, क्योंकि वह भाजपा के खिलाफ मुखर थीं।

लोगों से अपनी सरकार चुनने का हक छीन लेना चाहते हैं पीएम मोदी : राहुल गांधी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लोकतंत्र का ''गला घोंटने का आरोप लगाकर कहा कि ऐसा लगता है कि देश में सरकार नहीं, कोई ''आपराधिक गिरोह'' चलाया जा रहा हो। राहुल गांधी ने केंद्र पर यह प्रहार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रैली से पहले किया, जिसे कांग्रेस ने ''लोकतंत्र बचाओ रैली'' करार दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया, मोदी लोकतंत्र का गला दबाकर जनता से अपनी पसंद की सरकार चुनने का विकल्प छीन लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''एक तरफ जहां 'चंदे का धंधा' कर रही भाजपा देश में 'वसूली

सरकार' चला रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रमुख विपक्षी दल का (बैंक) खाता 'फ्रीज' (लेन-देन पर रोक लगा) कर, मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल कर और हर स्वतंत्र आवाज को दबाकर वह विपक्ष को जायज ढंग से चुनाव तक नहीं लड़ने देना चाहती।'' राहुल गांधी ने दावा किया, जो भाजपा के साथ नहीं, उन्हें जेल। जो भाजपा को चंदा दे- उसे बेल (जमानत)। राहुल ने आरोप लगाया, ऐसा लगता है देश में सरकार नहीं, कोई आपराधिक गैंग चलाया जा रहा हो।

रुस भारत के साथ मिलकर आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। (एजेंसी)

रुस की राजधानी मास्को के कॉन्सर्ट हॉल में पिछले दिनों हुए आतंकी हमले कई लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। इस हमले की कड़ी निंदा की गई थी। हमले को लेकर रुसी राजदूत ने साफ कहा कि वह भारत के साथ मिलकर आतंक का पूरी तरह से खात्मा करेंगे।

भारत में रूसी राजदूत ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि रूस, भारत और दुनिया के अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद के खतरे से निपटने और उसे जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी, मंत्रियों, राजनीतिक दलों के नेताओं और सार्वजनिक कार्यकर्ताओं ने रूस पर हुए हमले

की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद को अस्वीकार करने के मजबूत बयान दिए।रुसी राजदूत ने भारत समेत कई देशों के लोगों द्वारा आतंक से पीड़ितों, उनके परिजनों और रूसी सरकार के लिए उनकी दिखाई गई भावनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि दूतावास को 22 मार्च को मॉस्को के पास घातक आतंकवादी हमले की निंदा और जानमाल के भारी नुकसान पर सहानुभूति वाले संदेश आज भी मिल रहे हैं। रुस पर आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी ने रूस के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाते हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं।

दुःख की इस घड़ी में भारत रूस की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

लोकसभा चुनाव-

मतदाता की नब्ज टटोलने शाह राजस्थान के दौरे पर

जयपुर। (एजेंसी)

मतदाता का मन टटोलने में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कोई मुकाबला नहीं है। शायद यही कारण है कि उनकी अधिकांश रणनीति सफल हो जाती है। अब शाह रविवार को राजस्थान पहुंच गए और सोमवार तक यहीं रहेंगे। भाजपा के 'मिशन 25' को अमली जामा पहनाने के लिए शाह आज दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान आएंगे। वे दोपहर में जयपुर पहुंचेंगे। उसके बाद वे जयपुर, सीकर और जोधपुर में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अमित शाह के दौरे को देखते हुए पार्टी में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। वहीं पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है। बता दे कि 2 अप्रेल को पीएम नरेन्द्र मोदी की कोटपुतली में रैली प्रस्तावित है। जानकारी के अनुसार शाह 2.15 बजे पार्टी के कोर ग्रुप की बैठक लेंगे। उसके बाद दोपहर 3.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट से सीकर के लिए रवाना होंगे। वहां सीकर हैलीपेड पर उतरेंगे। उसके बाद सीकर में शाह का शाम 4.30 से 5.30 बजे तक रोड शो होगा। यह रोड शो रामलीला मैदान से जाटिया बाजार तक होगा। शाह शाम 5.45 बजे सीकर से जयपुर के लिए रवाना होंगे। वे शाम को 6.40 बजे वापस जयपुर पहुंचेंगे। यहां शाम 7 बजे प्रबुद्धजन के साथ शाह की बैठक होगी। रात 8 बजे सामाजिक कार्यकर्ताओं से संवाद होगा। शाह रात्रि विश्राम के बाद 1 अप्रेल को जयपुर से जोधपुर जायेंगे। वे सोमवार को सुबह 10.30 बजे जयपुर से रवाना होकर 11.15 बजे जोधपुर पहुंचेंगे। वहां दोपहर 11.30 बजे

जोधपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। जोधपुर में यह बैठक अमृतम पैलेस में होगी। दोपहर 12.35 से 2 बजे तक वे पार्टी के अन्य सम्मेलन में रहेंगे। उसके बाद दोपहर 3 बजे शाह जोधपुर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होना है। राजस्थान में 12 सीटों के लिए वोटिंग 19 अप्रेल और शेष 13 सीटों के लिए 26 अप्रेल को वोट डाले जाएंगे। पहले चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। दूसरे चरण के लिए नांमाकन का दौर चल रहा है।

सुप्रीमकोर्ट की जज नागरत्ना ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर कहा-

यह एक गंभीर संवैधानिक पद है, राज्यपाल अपने कर्तव्यों का निर्वाह जिम्मेदारी से करें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीमकोर्ट की जज बी.वी. नागरत्ना ने राज्यपालों की ओर से विधेयकों को रोके जाने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राज्यपालों का काम विधेयकों को रोकना नहीं बल्कि उन पर फैसला लेना है। यह शर्म की बात है कि अदालत को राज्यपालों को उनकी ड्यूटी याद दिलानी पड़े। उन्होंने कहा कि अदालतों को राज्यपालों को यह बताना अच्छा नहीं लगता है कि आप संविधान के मुताबिक अपना काम करें।

महाराष्ट्र और पंजाब के राज्यपालों के फैसलों का हवाला देते हुए जज नागरत्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को चीजें ठीक करने के लिए बीच में आना पड़ा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार के मई 2023 में गिरने के बाद विधानसभा में फ्लोर टेस्ट मामले में, यह सवाल था कि क्या राज्यपाल के पास फ्लोर टेस्ट कराने के कोई ठोस सबूत थे। उनके पास कोई भी सबूत नहीं था जो यह बताए कि मौजूदा सरकार विधायकों का विश्वास खो चुकी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मामले में, राज्यपाल ने चार विधेयकों को रोक लिया था। अदालत ने राज्यपाल को याद दिलाया कि वह अनिश्चितकाल तक मंजूरी नहीं रोक सकते। उन्होंने कहा कि वह बिलों पर बैठकर मुकदमे का विषय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का पद एक गंभीर संवैधानिक पद है। उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वाह जिम्मेदारी से करना चाहिए। बी.वी. नागरत्ना ने हैदराबाद में एक कार्यक्रम में कहा कि आजकल देश में राज्यपालों का एक नया रुझान देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अदालतों को राज्यपालों को यह बताना अच्छा नहीं लगता है कि उन्हें बताया जाए कि आप संविधान के मुताबिक अपना काम करें और विधेयकों को मंजूरी देने में देरी नहीं करनी चाहिए। जज नागरत्ना उस पांच-जजों वाली पीठ का हिस्सा थीं जिसने केंद्र सरकार के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया था, लेकिन वह इकलौती जज थीं जिन्होंने फैसले में इस बात को लेकर असहमति जताई थी कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया और लागू किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही इसका मकसद काला धन खत्म करना था, लेकिन केंद्र सरकार ने जिस तरह से अचानक से इसे लागू किया, इससे तो सिर्फ कानून तोड़ने वालों को ही फायदा हुआ, जिन्होंने अपना काला धन सफेद बना लिया। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा इससे आम लोगों को भी काफी

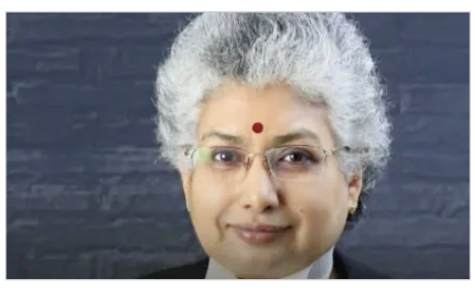

परेशानी हुई। उन्होंने बताया कि इस पर किसी भी स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई। कोई निर्णय लेने की प्रक्रिया भी नहीं अपनाई गई। एक शाम संबंधित विभागों को इस नीति के बारे में बताया और अगली शाम से उसे लागू कर दिया।

संपादकीय

घाटी की सुरक्षा

इसमें दो राय नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के गंभीर संकट के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा अस्तित्व में आया होगा। हालांकि, नागरिक स्वतंत्रता के अतिक्रमण और कई बार सुरक्षा बलों के अभियानों में चूक के चलते हुई जनक्षति के चलते इसकी सार्थकता को लेकर विमर्श देश में चलता रहा है। इसके खिलाफ लंबे आंदोलन भी हुए और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़े संगठन इसका मुखर विरोध भी करते रहे हैं। यद्यपि देश की सरकारें इसे अराजकता व अतिवाद के उपचार के साधन के रूप में देखती रही हैं। बहरहाल, अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सामान्य होती स्थिति के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा अफस्पा हटाने के संकेत का स्वागत ही किया जाना चाहिए। जिसके बाद नागरिक स्थलों की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस को सौंपा जा सकता है। निश्चित रूप से इसे घाटी में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। गृह मंत्री ने यथाशीघ्र इस केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने व कानून व्यवस्था पुलिस को सौंपे जाने के संकेत दिये हैं। निश्चित रूप से घाटी में पिछले कुछ समय में कानून व्यवस्था में सुधार देखा गया है। सीमा पर कड़ी चौकसी और आतंकवादी संगठनों का वित्त पोषण करने वाले व्यक्तियों व संगठनों पर नकेल कसी गई है। कइयों की संपत्ति की कुर्की, गिरफ्तारी तथा बैंक खातों को सील करने की कार्रवाइयां हुई हैं। जिसके चलते अलगावादियों की गतिविधियों पर किसी हद तक अंकुश लगाने में कामयाबी मिली है। ऐसे में राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिये अनुकूल वातावरण बनता दिख रहा है। ऐसे में अफस्पा हटाने का कदम राज्य में विधानसभा चुनाव के अनुरूप राजनीतिक गतिविधियां आरंभ करने में सहायक साबित हो सकता है। वैसे भी नागरिक प्रशासन से जुड़े स्थानों पर सैन्य बलों की तैनाती लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की दृष्टि से अच्छी नहीं कही जा सकती है। उम्मीद के अनुरूप गृहमंत्री अमित शाह की जम्मू-कश्मीर से अफस्पा हटाने की टिप्पणी का विभिन्न राजनीतिक दलों व वरिष्ठ नौकरशाहों ने स्वागत ही किया है। जो राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया आरंभ करने की दिशा में पहला व निर्णायक कदम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने से पहले वर्ष 2008 से 2018 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सीनियर ब्यूरोक्रेट एन.एन. वोहरा का मानना है- 'जम्मू कश्मीर में विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाकर कानून-व्यवस्था राज्य पुलिस को सौंपने का संकेत एक सार्थक पहल होगी। उन्होंने देश के उन अन्य क्षेत्रों में ऐसी पहल की जरूरत बतायी, जहां आंतरिक सुरक्षा के लिये लंबे समय से सैन्य बलों को तैनात किया गया है। उनका मानना है कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखना राज्य पुलिस का प्राथमिक कर्तव्य है। जिससे सेना को उसके वास्तविक काम पर लौटने में मदद मिल सकेगी।' निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक अधिकारों की बहाली सत्ता की प्राथमिकता होनी चाहिए। सैन्य बलों की कार्यशैली में नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता को लेकर भी प्रश्न उठते रहे हैं। निश्चित रूप से नागरिकों से जुड़े कानूनी पहलुओं का क्रियान्वयन व कार्यशैली लोकतांत्रिक दृष्टिकोण की मांग करते हैं। यही वजह है कि जाने-अनजाने में कई निर्दोष लोगों के सैन्य बलों की कार्रवाई की चपेट में आने की आशंका बनी रहती है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

स्वच्छता का संदेश देती शीतला माता

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा)

(01 अप्रैल शीतला अष्टमी पर विशेष)

हमारे देश में विविध पर्व-त्योहारों को मनाने के पीछे वैज्ञानिक सोच व तत्व-दर्शन निहित है। होली के एक सप्ताह बाद मनाये जाने वाले शीतलाष्टमी त्योहार पर शीतला माता का पूजन कर व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि माता के पूजन से चेचक, खसरा जैसे संक्रामक रोगों का मुक्ति मिलती है। चूंकि ऋतु-परिवर्तन के दौरान इस समय संक्रामक रोगों के प्रकोप की काफी आशंका रहती है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए श्रद्धालु शीतलाष्टमी के दिन माता का विधिपूर्वक पूजन करते हैं जिससे शरीर स्वस्थ बना रहे।

शीतला माता स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं और इसी संदर्भ में शीतला माता की पूजा से हमें स्वच्छता की प्रेरणा मिलती है। इनका सैदव से ही बहुत अधिक माहात्म्य रहा है। शीतला-मंदिरों में प्रायः माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। शीतला माता के संग ज्वरासुर- ज्वर का दैत्य, ओलै चंडी बीबी - हैजे की देवी, चौंसठ रोग, घेंटुकर्ण- त्वचा-रोग के देवता एवं रक्तवती - रक्त संक्रमण की देवी होते हैं। इनके कलश में दाल के दानों के रूप में विषाणु या शीतल स्वास्थ्यवर्धक एवं रोगाणु नाशक जल होता है। शीतला माता देवी है जो गधे पर सवार होती है और नीम के पत्तों की माला का श्रृंगार करती हैं। इस दिन घर में बासी पुआ, पूड़ी, दाल भात और मिठाई का भोग लगाया जाता हैं। शीतला माता को भोग लगाने के बाद घर के सदस्य खुद इसका सेवन करते हैं। सामान्य तौर पर शीतला माता का पूजन चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाना यानी बसौड़ा तैयार किया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में इसे वितरित करते हैं। उत्तर भारत में शीतलाष्टमी का त्योहार बसौड़ा नाम से भी प्रचलित है। मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना नहीं खाना चाहिए। यह ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं।

इस व्रत में रसोई की दीवार पर हाथ की पांच अंगुली घी से लगाई जाती है। इस पर रोली और चावल लगाकर देवी माता के गीत गाये जाते हैं। इसके साथ, शीतला स्तोत्र तथा कहानी सुनी जाती है। रात में जोत जलाई जाती है। एक थाली में बासी भोजन रखकर परिवार के सारे सदस्यों का हाथ लगवाकर शीतला माता के मंदिर में चढ़ाते हैं। इनकी उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है। शीतला माता की महत्ता के विषय में स्कंद पुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें उल्लेख है कि शीतला देवी का वाहन गर्दभ है। ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) और नीम के पत्ते धारण किये हैं। इनका प्रतीकात्मक महत्व है। आशय यह है कि चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम की पत्तियां फोड़ों को सड़ने नहीं देतीं। रोगी को ठंडा जल अच्छा लगता है, अतः कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं। स्कंद पुराण में शीतला माता की अर्चना का स्तोत्र है शीतलाष्टक। माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने की थी। यह स्तोत्र शीतला देवी की महिमा का गान कर उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित करता है।

वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बरराम्,
मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालंकृतमस्तकाम्।

अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि हम लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। माता के रोगी के लिए यह व्रत बहुत मददगार है। आमतौर पर, शीतला रोग के आक्रमण के समय रोगी दाह (जलन) से निरंतर पीड़ित रहता है। उसे शीतलता की बहुत जरूरत होती है। गर्दभ पिंडी (गधे की लीद) की गंध से फोड़ों का दर्द कम हो जाता है। नीम के पत्तों से फोड़े सड़ते नहीं है और जलघट भी उसके पास रखना अनिवार्य है। इससे शीतलता मिलती है। लोक किंवदंतियों के अनुसार बसौड़ा की पूजा माता शीतला को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। कहते हैं कि एक बार किसी गांव में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे तो मां को गांववासियों ने गरिष्ठ भोजन प्रसादस्वरूप चढ़ा दिया। शीतलता की प्रतिमूर्ति मां भवानी का गर्म भोजन से मुंह जल गया तो वे नाराज हो गईं और उन्होंने कोपदृष्टि से संपूर्ण गांव में आग लगा दी। बस केवल एक बुढ़िया का घर सुरक्षित बचा हुआ था। गांव वालों ने जाकर उस बुढ़िया से घर न जलने के बारे में पूछा तो बुढ़िया ने मां शीतला को गरिष्ठ भोजन खिलाने वाली बात कही और कहा कि उन्होंने रात को ही भोजन बनाकर मां को भोग में ठंडा-बासी भोजन खिलाया। जिससे मां ने प्रसन्न होकर बुढ़िया का घर जलने से बचा लिया। बुढ़िया की बात सुनकर गांव वालों ने शीतलामाता से क्षमा मांगी और रंगपंचमी के बाद आने वाली सप्तमी के दिन उन्हें बासी भोजन खिलाकर मां का बसौड़ा पूजन किया। संसार में दो प्रकार के प्राणी होते है। पहला सौर शक्ति प्रधान और दूसरा चान्द्र शक्ति प्रधान। सौर शक्ति के बारे में कहा जाता है कि सौर शक्ति जीव बहुत चंचल, चुलबुले, तत्काल बिगड़ उठने वाले और असहनशील होते हैं जबकि चान्द्र शक्ति प्रधान व्यक्ति इसके विपरीत होते है। चान्द्र शक्ति प्रधान जीवों में प्रमुख गधा ही माता शीतला का वाहन हो सकता है।

यहां गधा संकेत देता है कि चामुण्डा के आक्रमण के समय रोग का अधिक प्रहार सहन करते हुए रोगी को कभी अधीर नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शीतला रोग में गर्दभी का दूध, गधा लोटने के स्थान की मिट्टी और गधों के संपर्क का वातावरण उपयुक्त समझा जाता है। कहते हैं कि कुम्हार को चामुण्डा का भय नहीं होता है। वहीं ऊंट वाले को कभी पेट का रोग नहीं होता। चामुण्डा शववाहना के अनुसार चामुण्डा का वाहन शव होता है। इसका तात्पर्य यह है कि चामुण्डा से आक्रान्त रोगी को शव की भांति निश्चेष्ट होकर उचित समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संकट की आहट

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष

'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां प्रचलित हुई, इस बारे में दावे के साथ तो कुछ नहीं कहा जा सकता पर माना यही जाता है कि इस परम्परा की शुरूआत फ्रांस में 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी। माना जाता है कि एक अप्रैल 1564 को फ्रांस के राजा ने मनोरंजक बातों के जरिये एक-दूसरे के बीच मैत्री और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक सभा का आयोजन कराया था। उसके बाद निर्णय लिया गया कि अब से हर वर्ष इसी दिन ऐसी ही सभा का आयोजन होगा, जिसमें सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले व्यक्ति को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में शिरकत करने वाले व्यक्ति अनोखी और विचित्र वेशभूषाएं धारण करके अपनी अजीबोगरीब हरकतों से उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया करते थे और सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले व्यक्ति को 'मूर्खों का अध्यक्ष' चुना जाता था, जिसे 'बिशप ऑफ फूल्स' की उपाधि से नवाजा जाता था। इस सभा के बाद 'गधा सम्मेलन' का भी आयोजन होता था, जो करीब एक सप्ताह चलता था। सम्मेलन में लोग अपने चेहरे पर गधे के मुंह की आकृति के मुखौटे लगाकर गधे की आवाज निकालते थे। इस दिन वहां कर्मचारी, अधिकारी सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ाने को स्वतंत्र होते थे।

यह भी मान्यता है कि 1564 में फ्रांस के सम्राट चार्ल्स के आदेश पर लागू हुए ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से की जाने लगी जबकि उससे पूर्व चूंकि वर्ष में सिर्फ 9 ही महीने होते थे, अतः नया साल 1 अप्रैल से ही शुरू होता था लेकिन ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किए जाने के बाद भी जो लोग 1 अप्रैल को ही नव वर्ष के रूप में मनाते रहे, दूसरे लोगों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और इस तरह 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने की परम्परा शुरू हो गई। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों में वे लोग, जो जूलियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 25 मार्च से मानते हैं, वे वसंत के आगमन के साथ ही नए साल के आने की खुशियां मनाते हैं और एक सप्ताह तक चले इन मनोरंजक कार्यक्रमों का समापन वे 1 अप्रैल को ही करते हैं। 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ रिलीजन' तथा 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका' के अनुसार भी एक अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' मनाने का सीधा संबंध वसंत के आगमन से ही है, जब प्रकृति मनुष्य को अपने अनियमित मौसम से मूर्ख बनाती है।

कुछ लोग अप्रैल फूल मनाने की परम्परा की शुरूआत इटली से हुई मानते हैं। प्राचीन समय से ही इटली में एक अप्रैल को एक मनोरंजन उत्सव मनाया जाता है, जिसमें स्त्री-पुरूष सभी जमकर शराब पीते हैं और नाच-गाकर खूब हुड़दंग मचाते हैं। रात के समय दावतों का आयोजन भी किया जाता है। यूरोप के कुछ देशों में भी प्राचीन काल से ही 'मूर्ख दिवस' मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन वहां मालिक नौकर की और नौकर मालिक की भूमिका अदा करता था और नौकर इस दिन मालिक से अपने मनचाहे काम कराते थे, जिन्हें मालिक भी बिना किसी विरोध के खुशी-खुशी किया करते थे।

यूनान में 'मूर्ख दिवस' की शुरूआत कैसे हुई, इस संबंध में कई किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही एक किस्से में कहा जाता है कि यूनान में एक व्यक्ति को खुद की बुद्धि और चतुराई पर बहुत घमंड था। वह बुद्धिमानी और चतुराई के मामले में अपने बराबर दुनिया में किसी को कुछ नहीं समझता था। एक बार उसके कुछ दोस्तों ने उसे सबक सिखाने का निश्चय किया और उससे कहा कि मध्य रात्रि के समय पहाड़ की चोटी पर आज देवता अवतरित होंगे और वहां जितने भी लोग उपस्थित होंगे, उन्हें वह मनचाहा वरदान देंगे। अपने दोस्तों की बात पर विश्वास करके वह अगले दिन सुबह होने तक पहाड़ की चोटी पर देवता के प्रकट होने का इंतजार करता रहा और जब निराश होकर वापस लौटा तो दोस्तों ने उसका खूब मजाक उड़ाया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन पहली अप्रैल थी। माना जाता है कि तभी से यूनान में एक अप्रैल को लोगों को मूर्ख बनाने की परम्परा शुरू हुई।

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को 'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है। आज तो दुनिया के बड़े-बड़े टी. वी. चैनल और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं भी अपने दर्शकों व पाठकों के साथ 1 अप्रैल को ऐसी हंसी-ठिठौली करने में पीछे नहीं रहते।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार हैं)

विचार मंथन

चंदा-डंडा और ईड़ी का फंदा

(लेखक-सनत कुमार जैन)

लोकसभा चुनाव के पहले इंडिया गठबंधन की दिल्ली के रामलीला मैदान में तानाशाही हटाओ और लोकतंत्र बचाओ रैली आयोजित हुई। रैली में मोदी सरकार के ऊपर बड़ा हमला किया गया है। इस रैली के पूर्व, कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर बड़े गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा के लिए चंदा, व्यापारियों को डंडा और ईड़ी का फंदा मोदी सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। केंद्र सरकार पर संविधान के साथ खिलवाड़ करने और लोकतंत्र को समाप्त करने के आरोप लगाए। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर सरकार के इशारे पर काम करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद इंडिया गठबंधन के सभी 26 राजनीतिक दलों के नेता दिल्ली की इस रैली में शामिल हो रहे हैं। सरकार विपक्षी नेताओं और राजनीतिक दलों को जिस तरह से चुनाव के दौरान निशाना बना रही है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का बैंक खाता सीज करने,बैंक खाते से आयकर विभाग द्वारा 135 करोड रुपए निकालने,कम्युनिस्ट पार्टी को 9 करोड रुपए का नोटिस जारी करने पर गंभीर आपत्ति जताई।जिन गलतियों के कारण कांग्रेस पार्टी पर आयकर विभाग द्वारा कार्रवाई की गई है। वैसे ही गलती भारतीय जनता पार्टी द्वारा की गई है। आयकर विभाग द्वारा भाजपा पर कोई कार्यवाही नहीं करने पर, कांग्रेस पार्टी ने आयकर विभाग को निशाने पर लिया। दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने, शराब कारोबारी रेड्डी के साथ साउथ लाबी से भाजपा के तार चुनावी चंदे से जोड़े हैं।आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि शरद रेड्डी बीजेपी को 55 करोड़ का चंदा देती है।शराब कांड में रेड्डी के बयान पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है। विपक्षी दलों के नेताओं ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी जो भाजपा की वाशिंग मशीन पर चले गए। वह वहां से बिल्कुल बेदाग निकल आए। जिन्होंने बीजेपी में जाने से इनकार कर दिया। उन्हें ईडी ने जेल भेज दिया। कांग्रेस के पवन खेड़ा ने विपक्ष के 51 नेताओं पर जांच एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण प्रस्तुत कर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। खेड़ा ने कहा, भाजपा पहले विपक्षी दल के नेताओं पर आरोप लगाती है। आरोप के बाद जांच एजेंसियां सक्रिय हो जाती हैं। उसके बाद ईड़ी मनी लॉन्ड्रिंग का नोटिस जारी करता है। जो विपक्षी नेता जेल जाने से डरता है। वह भाजपा की वाशिंग मशीन में चला जाता है। जो नहीं जाता है, वह जेल चला जाता है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीबाल इसके उदाहरण हैं। कांग्रेस ने, भाजपा की वाशिंग मशीन से पाक साफ होकर निकले असम के मुख्यमंत्री हेमंत शर्मा, अजीत पवार, छगन भुजबल, अशोक चव्हाण, मुकुल राय, सुवेंद्र अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती,सोवन चटर्जी, वायएस चौधरी, जगन रेड्डी, प्रफुल्ल पटेल इत्यादि नेताओं के नाम का उल्लेख करते हुए कहा, यह नेता भाजपा की वाशिंग मशीन से धुलकर बेदाग होकर निकले हैं। इंडिया गठबंधन की रैली में विपक्षी दलों के नेताओं ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई बताया है। विपक्षी दलों ने महंगाई, बेरोजगारी और धार्मिक ध्रुवीकरण पर सरकार के ऊपर जबरदस्त हमले किए। इलेक्टोरल बांड से जॉच एजेंशियों की सहायता से सरकार ने भाजपा के लिए चंदा एकत्रित किया है। व्यापारी और कारोबारियों, विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं और बड़ी-बड़ी कंपनियों को ईड़ी के नोटिस भेजकर, जिस तरह की वसूली की गई है। उसको लेकर सरकार और भाजपा के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, सरकार संविधान को खत्म करना चाहती है। संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को नष्ट कर रही है। संविधान प्रदत नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। न्यायपालिका पर दबाव बनाया जा रहा है। कार्यपालिका सरकार के इशारे पर विपक्षी दलों को खत्म करने का काम कर रही है। महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। लोग अपनी बात कहने के लिए आंदोलन नहीं कर पा रहे हैं। प्रशासन उन्हें आंदोलन नहीं करने देता है।अंग्रेज सरकार से ज्यादा आम जनता के साथ क्रूर व्यवहार, मोदी सरकार कर रही है। रैली में नेताओं ने कहा, संविधान और लोकतंत्र को बचाने की यह अंतिम लड़ाई है। जनता को संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को लड़ने के लिए स्वयं आगे आना होगा। इसके लिए लोकसभा के चुनाव में जनता को अपने मताधिकार का उपयोग सोच समझ कर करना होगा। इंडिया गठबंधन द्वारा जिस आक्रामक तरीके से सरकार के ऊपर हमला किया है। सरकार की नाकामियों को गिनाया गया है। सरकार द्वारा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने के लिए जिस तरह के कानून बनाए जा रहे हैं। तानाशाही से बचना है, स्वतंत्रता को बचाने के लिए आम जनता को इस लड़ाई में साथ आने का आह्वान किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिगो अबू धाबी और कन्नूर के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी

तिरुवनंतपुरम । प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने 9 मई से अबू धाबी और उत्तरी केरल के कन्नूर के बीच सीधी उड़ानों की घोषणा की है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि वह अपनी अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार करते हुए इस सीधी दैनिक उड़ान का संचालन करेगी। इंडिगो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन उड़ानों के अलावा एयरलाइन भारत के 8 शहरों से अबू धाबी के लिए 56 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी।

पीएलआई योजना से दिसंबर तक 1.06 लाख करोड़ का निवेश हा सिल हुआ

नई दिल्ली । 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं से दिसंबर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। कुल निवेश में औषधि और सौर मोड्यूल का योगदान करीब आधा रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल दिसंबर तक सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, वाहन और वाहल कल-पुर्जे, कपड़ा और एसीसी (उन्नत रसायन सेल) बैटरी भंडारण जैसे क्षेत्रों में योजना को लेकर प्रतिक्रिया धीमी रही। सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के व्यय के साथ दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण, वाहन, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन बैटरी, ड्रोन और औषधि जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की।आंकड़ों के मुताबिक औषधि क्षेत्र ने पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये आकर्षित किए। यह 17,275 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद से अधिक है।इस क्षेत्र के प्रमुख लाभार्थियों में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, ग्लेनमार्क फार्मा, बायोकॉन और वॉकहार्ट लिमिटेड शामिल हैं। जहां तक उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल का संबंध है, कुल निवेश 22,904 करोड़ रुपये रहा। जबकि इस क्षेत्र से 1.10 लाख करोड़ के निवेश की उम्मीद थी। इस क्षेत्र में पीएलआई लाभार्थियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल हैं। पिछले साल दिसंबर तक जिन अन्य क्षेत्रों में अच्छा निवेश प्राप्त हुआ, उनमें थोक दवाएं, चिकित्सा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण और दूरसंचार शामिल हैं।सबसे कम निवेश आईटी हार्डवेयर में 270 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ, जबकि इस क्षेत्र में 2,517 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद थी। कम निवेश वाले अन्य पीएलआई क्षेत्रों में वाहन और वाहन कल पुर्जे, कपड़ा और एसीसी बैटरी स्टोरेज शामिल हैं।

रविवार को भी खुले हैं दिल्ली-एनसीआर के दफ्तर और बैंक

नई दिल्ली । आमतौर पर रविवार को छुट्टी रहती है, लेकिन इस बार रविवार को भी कई दफ्तर खुले हैं लेकिन बैंकों में सरकार को (टैक्स) पेमेंट जैसे काम ही होंगे। इसकी वजह यह है कि आज 31 मार्च है यानी वित्त वर्ष 2023-24 का आखिरी दिन। इस दिन फाइनेंस से जुड़े कई कामों की समयसीमा खत्म हो रही है। यही वजह है कि रविवार को दिल्ली-एनसीआर में भी कई सरकारी दफ्तर और बैंक खुले हैं। सभी टैक्स ब्रांच के दफ्तर सुबह 9 से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर सकेंगे। बकाया टैक्स के भुगतान पर 10 फीसदी छूट पाने का आखिरी दिन है। इसके बाद कुल बकाया पर 1 फीसदी जुर्माना और ब्याज भी लगेगा। इनकम टैक्स और एलआईसी के दफ्तर भी खुले हैं, ताकि वित्त वर्ष खत्म होने से पहले टैक्स चुकाने और बचाने का काम कर सकें। हरियाणा के गुड़गांव, फरीदाबाद, गाजियाबाद और नोएडा में भी सभी सरकारी कार्यालय खुले हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 67,260 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 में से सात प्रमुख कंपे नियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 7,259.99 करोड़ रुपये बढ़ा। इसमें सबसे ज्यादा लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 45,262.59 करोड़ रुपये बढ़कर 20,14,010.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 5,533.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,666.29 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 5,218.12 करोड़ रुपये बढ़कर 5,78,484.29 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 4,132.67 करोड़ रुपये बढ़कर 7,69,542.65 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,029.69 करोड़ रुपये बढ़कर 11,00,184.60 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 2,819.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,32,946.04 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 264.15 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,032.74 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 10,691.45 करोड़ रुपये घटकर 14,05,102.38 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का 4,163.13 करोड़ रुपये कम होकर 6,22,117.38 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,817.18 करोड़ रुपये घटकर 6,95,038.48 करोड़ रुपये रहा। सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरकार 7 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी करेगी, तैयारी शुरू

नई दिल्ली । सरकार ने 7 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी की तैयारी शुरू कर दी है। बोली लगाने के लिए निविदा दस्तावेजों की बिक्री की ओ खिरी तारीख 16 मई और दस्तावेज जमा करने की ओ खिरी तारीख 21 मई तय की गई है। मंत्रालय ने कहा है कि ये 7 ब्लॉक उन 11 ब्लॉकों का हिस्सा हैं, जिनकी नीलामी पहले रद्द कर दी गई थी। इसके अलावा 18 ब्लॉकों के लिए किस्त 2 के तहत ई-नीलामी प्रक्रिया भी जारी है। निविदा दस्तावेज की बिक्री की ओ खिरी तारीख 10 मई 2024 है और बोली जमा करने की ओ खिरी तारीख 15 मई है। मंत्रालय ने कहा कि 6 ब्लॉकों के लिए ई-नीलामी का दूसरा दौर तय कार्यक्रम के अनुसार पूरा हो चुका है। गुजरात के कुंडोल निकेल और क्रोमियम ब्लॉक पर निर्णय नामित अधिकारी द्वारा उचित समय पर लिया जाएगा। लिथियम, क्रोमियम, निकल, ग्रेफाइट, कोबाल्ट, टाइटेनियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्व (आरईई) जैसे महत्वपूर्ण खनिज भारत के ओ थिंक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान में इन खनिजों के उत्पादन पर चीन जैसे कुछ देशों का प्रभुत्व है।

क्लियरट्रिप ने महेन्द्र सिंह धोनी को बनाया अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर

बेंगलुरु । ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की एक कंपनी है क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड,ने क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। कंपनी के मुताबिक यह गठबंधन क्लियरट्रिप के लिये एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी महेन्द्र सिंह धोनी के साथ मिलकर यात्रा के मामले में सही फैसले लेने की हिमायत कर रही है। क्लियरचॉइस के तहत ब्राण्ड का मकसद यात्रियों को आसानी से फैसले लेने के लिये प्रेरित करना है। साथ ही लोगों को बिना किसी परेशानी के यात्रा का शानदार अनुभव प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में 42 वर्षीय धोनी की इस समय कुल संपत्ति 1040 करोड़ रुपये बताई जाती है। क्लियरट्रिप के ब्राण्ड एम्बेसेडर महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा कि मैंने अपने पूरे करियर में विभिन्न महाद्वीपों की यात्रा की है और मैं सही मायने में एक ग्लोबट्रोटर रहा हूं। इस तरह मुझे सफर के लिये अपने प्यार का पता चला। कई साल बाद ऐसी स्थिति हो गई कि मुझे सफर करने का इंतजार होने लगा और क्लियरट्रिप के साथ भागीदारी करने से ज़ेयादा रोमांचक मेरे लिये क्या हो सकता था, क्योंकि यह ब्राण्ड सफर का आईना है। यह सफर को मजेदार, यादगार और मायने रखने वाला बनाता है। मैं अपने करियर में रोजाना कड़े फैसले करता हूं, लेकिन क्लियरट्रिप के साथ फैसले करना आसान और स्पष्ट होता है। पारदर्शिता के लिये उनकी प्रतिबद्धता फैसलों को आसान बनाती है और सभी को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों की यात्रा करने देती है। क्लियरट्रिप की लॉन्चिंग जुलाई 2006 में हुई है। क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड भारत की तेजी से आगे बढ़ती हुई ऑनलाइन ट्रैवेल टेक्नोलॉजी कंपनी है। अप्रैल 2021 में ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने क्लियरट्रिप की बड़ी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। विडेक द्वारा हाल में किए गए अध्ययन के अनुसार क्लियरट्रिप हाल ही में देश में नंबर 2 ओटीए कंपनी के तौर पर उभर कर सामने आई है।

आरबीआई के फैसले और वाहन बिक्री पर रहेगी बाजार की नजर

- बाजार की नजर कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल से भी प्रभावित होगी

मुंबई ।

इस सप्ताह विश्व के प्रमुख केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में कमी करने की उम्मीद के बीच स्थानीय स्तर पर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) में ऋणदाताओं के निवेश नियमों में ढील दिए जाने के बाद वित्तीय स्थिति मज़बूत होने से बीते सप्ताह एक फीसदी से अधिक चढ़े घरेलू शेयर बाजार की नजर आरबीआई के नीतिगत निर्णय, वाहन बिक्री और पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। अधिकतर अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। कारोबारी साल 2025 की शुरुआत मार्च महीने के ऑटो बिक्री आंकड़ों के साथ होगी। इसके अलावा बाजार की नजर कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल पर भी रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 घरेलू बाजार के लिए एक फायदेमंद साल रहा। लार्जकैप ने 33 प्रतिशत का पर्याप्त रिटर्न दिया। मिडकैप में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई और स्मॉल कैप ने प्रभावशाली 63 प्रतिशत के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वर्ष के दौरान देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पूर्वानुमान तिमाही आधार पर 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया। कॉर्पोरेट आय वृद्धि में तेजी आई।इस दौरान प्रत्यक्ष निवेश के साथ-साथ एमएफ के माध्यम से निवेश द्वारा समर्थित खुदरा प्रवाह मजबूत बना रहा। घरेलू निवेशकों द्वारा रखे गए ट्रेडिंग खातों की संख्या 16.7 करोड़ तक पहुंच गई, जो बढ़ती बाजार भागीदारी को रेखांकित करती है। इसके अलावा मंदी का सामना कर रहे अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत के बेहतर आर्थिक प्रदर्शन से उत्साहित विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुद्ध खरीदारी गतिविधि में सुधार दिखाया। वहीं 20 मार्च तक भारी बिकवाली में साल का अंत कमजोरी से हुआ। अप्रैल के आने वाले पहले सप्ताह में अमेरिका और भारत में पीएमआई, फैक्ट्री ऑर्डर और अमेरिका में बेरोजगारी डेटा जैसे महत्वपूर्ण आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसके अलावा आरबीआई की अगले सप्ताह 03-05 अप्रैल को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है।

बाजार सहभागी नीतिगत दरों के संबंध में विशेष रूप से आरबीआई से मिलने वाले संकेतों की बारीकी से निगरानी करेंगे। इसके अलावा बाजार की नज़र 31 मार्च को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही के कंपनियों के परिणाम पूर्वानुमानों पर रहेगी।

भारत को हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट के बजाय शिक्षा प्रणाली दुरुस्त करनी चाहिए: रघुराम राजन

- भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए, ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा

नई दिल्ली । देश में चार सेमीकंडक्टर यूनिट बनाने का काम शुरू हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच साल में भारत सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले दुनिया के टॉप 5 देशों की सूची में शामिल होगा। लेकिन आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए। ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाने से भी जरूरी कई काम हैं। उसके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट पर फोकस करने के बजाय अपनी शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करना चाहिए। शिकागो यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में फाइनेंस के प्रोफेसर रघुराम राजन ने एक नोट में कहा कि भारत सरकार हायर एजुकेशन के सालाना बजट से ज्यादा पैसा चिप मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सब्सिडी के रूप में दे रही है। यह अच्छी बात नहीं है। निश्चित रूप से यह विकसित देश बनने का रास्ता नहीं है। मोदी सरकार की नीतियों के धुर विरोधी रहे राजन ने साफ किया कि उनकी बात का यह मतलब नहीं है कि भारत को कभी भी सेमीकंडक्टर चिप नहीं बनाना चाहिए। लेकिन आज हर देश यही कर रहा है। इस रेस में पड़ने का मतलब खुद को बर्बाद करना है। भारत ने पिछले महीने तीन सेमीकंडक्टर प्लांट को मंजूरी दी थी। इन पर कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा जिसमें सरकार की तरफ से 48,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। राजन ने अपने नोट में कहा कि वास्तव में चिप सब्सिडी कैपिटल सब्सिडी है। इसका मतलब यह है कि इसका फ्रंट से भुगतान किया जाएगा, यह प्रॉडक्शन पर आधारित नहीं है। सरकार दावा कर रही है कि जल्दी ही चिप्स का प्रॉडक्शन शुरू हो जाएगा। अगर यह दावा सही है तो कैपिटल सब्सिडी जल्दी हो देनी होगी। लेकिन कोई नौसिखिया ही इस पर यकीन करेगा कि सब्सिडी यहीं खत्म हो जाएगी। अगर सब सही रहा तो हमें 28 एनएम चिप्स मिलेगी। आज मॉडर्न सेल फोन पर तीन एनएम की चिप लगती है। अगर हमें फ्रंटियर में ग्लोबल चिप मैन्यूफैक्ररर बनना है तो हमें उस स्तर तक पहुंचने के लिए कुछ फैक्ट्रीज को सब्सिडी देनी होगी।

वित्त वर्ष 2024 में कई शेयरों ने अच्छा रिटर्न दिया

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2024 के दौरान स्माल और मिडकैप स्टॉक्स ने तो निवेशकों की दौलत 5 गुना तक बढ़ा दी। वहीं सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। स्माल और मिडकैप इंडेक्स में 65 फीसदी तक की तेजी आई है। शेयर बाजार के इन इंडेक्स में तेज बढ़ोतरी के कारण कई स्टॉक्स ने मल्टीबैगर रिटर्न दिए हैं। एक डाटा के मुताबिक, बीएसई500 इंडेक्स में 113 शेयरों ने निवेशकों की रकम को दोगुना किया है, जबकि 330 शेयरों या 66 फीसदी शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। बीएसई 500 इंडेक्स में 20 स्टॉक ने तीगुना पैसा दिया है। वित्त वर्ष 2024 में टॉप परफॉर्मेंश शेयरों में सबसे पहला नाम इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन का रहा है, जिसने एक साल में 441 फीसदी का रिटर्न दिया है। अभी ये स्टॉक 142.4 रुपये पर है। वहीं 29 मार्च को यह स्टॉक 26.34 रुपये प्रति शेयर पर था। इसके अलावा सुजलॉन एनर्जी वित्त वर्ष के दौरान 7.95 से 40.47 रुपये प्रति शेयर के भाव पर पहुंचा है। इस अवधि के दौरान इस स्टॉक ने 400 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान अन्य मल्टीबैगर शेयरों में हुडको, मैंगलोर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स, जुपिटर वैगन्स, इरकॉन इंटरनेशनल और आरईसी शामिल हैं। इन स्टॉक्स ने एक साल के दौरान 310-330 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इनमें से कुछ स्टॉक्स पर ब्रोकरेज ने बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है।

रिलायंस ने पिछले 10 साल में 125 अरब डॉलर निवेश किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

विभिन्न कारोबार करने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले दस साल में 125 अरब डॉलर से अधिक रो शि का निवेश किया है। कंपनी ने इस निवेश के जरिये हाइड्रोकार्बन और दूरसंचार कारोबार में बड़े स्तर पैमाने पर विस्तार किया है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इसमें अनुमान जताया गया है कि अगले तीन वर्षों में समूह का निवेश अपेक्षाकृत कम पूंजीगत व्यय वाले खुदरा और नये ऊर्जा क्षेत्र में होगा। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस लंबे और गहन पूंजीगत व्यय चक्र (हाइड्रोकार्बन और दूरसंचार) से बाहर आ रही है। एक वित्तीय सेवा कंपनी की रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने ओ2सी (रिफाइनरी और पेट्रो रसायन परिसर) कारोबार के पैमाना, एकीकरण और लागत प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए वित्त वर्ष 2013-18 के बीच लगभग 30 अरब डॉलर का निवेश किया है। साथ ही दूरसंचार क्षेत्र में उच्च वृद्धि के लिए 4जी, 5जी क्षमताओं में वित्त वर्ष 2013-24 के बीच अनुमानित लगभग 60 अरब डॉलर का निवेश किया है। पूरे देश में 5जी क्रियान्वित होने की संभावना है और इसके साथ दूरसंचार शुल्क दरों में वृद्धि भी हो सकती है। इससे उम्मीद है कि दूरसंचार कारोबार कंपनी के ओ2सी के साथ नकदी प्रवाह का प्रमुख जरिया बनेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले तीन साल में जिन व्यवसायों में अधिक निवेश कर रहा है, वे अपेक्षाकृत कम पूंजीगत व्यय के साथ अधिक रिटर्न वाले हैं। साथ ही परियोजनाओं के पूरा होने में भी

समय कम लगेगा। एक रिफाइनरी या पेट्रो रसायन संयंत्र को शुरू होने में कम-से-कम पांच साल लगते हैं जबकि एक सौर संयंत्र के लिए लगभग दो साल और एक खुदरा स्टोर को तैयार करने में 6-12 महीने का समय लगता है।

केंद्रीय उपक्रमों से लाभांश प्राप्ति संशोधित अनुमान से 26 फीसदी ज्यादा

- चालू वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 63,000 करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ

नई दिल्ली ।

केंद्र को सार्वजनिक उपक्रमों से चालू वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 63,000 करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ है। यह संशोधित बजट अनुमान से 26 फीसदी ज्यादा है। कोल इंडिया, ओएनजीसी, पावरग्रिड और गेल जैसे केंद्रीय उपक्रमों के अच्छे लाभांश से कुल प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई है। एक फरवरी को पेश बजट में 2023-24 के लिए केंद्रीय उपक्रमों से 50,000 करोड़ रुपये की लाभांश प्राप्ति का संशोधित अनुमान रखा गया था। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में वास्तविक लाभांश प्राप्ति करीब 26 प्रतिशत बढ़कर 62,929.27 करोड़ रुपये रही। सरकार को मार्च में ओएनजीसी, कोल इंडिया, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, एनएमडीसी, एचएएल और गेल से अच्छी लाभांश राशि की किस्तें प्राप्त हुईं। पिछले वित्त वर्ष में लाभांश प्राप्ति 59,952.84 करोड़ रुपये थी। उच्च लाभांश वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान केंद्रीय उपक्रमों के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को बताता है। सार्वजनिक उपक्रमों के भुगतान से खुदरा और संस्थागत शेयरधारकों को भी लाभ हुआ है इससे निवेशकों की रूचि सार्वजनिक कंपनियों के शेयरों में बढ़ने की उम्मीद है। दीपम के पूंजी पुनर्गठन दिशानिर्देशों के अनुसार जिन केंद्रीय उपक्रमों के पास कारोबारी उद्देश्यों के लिए अपनी पूंजी के अनुकूलतम तरीके से उपयोग की योजना नहीं है, उन्हें उपलब्ध अधिशेष निधि पर पेशेवर नजर रखनी चाहिए। अत्यधिक नकदी रखने वाले सार्वजनिक उपक्रमों को लाभांश का भुगतान करना आवश्यक है। यह निवेशकों को संबंधित कंपनियों के शेयरों में रुचि बनाए रखने में मददगार होगा।

केंद्रीय उपक्रमों, बैंकों और बीमा कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले तीन साल में 500 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख करोड़ रुपये हो गया है। साथ ही सरकार की इक्विटी हिस्सेदारी जनवरी 2021 में 9.5 लाख करोड़ रुपये से चार गुना बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

अभी और बढ़ेगी सोने की चमक..... कीमत 75 हजार तक जा सकती

नई दिल्ली ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल के लिए फ्यूचर गोल्ड की कीमतें 67,800 रुपये प्रति 10 ग्राम को खत्म हुई हैं। शुक्रवार को भारत में वित्त वर्ष का अंतिम कामकाजी दिन था। इसके बाद मार्केट जब सोमवार को काम शुरू करेगा, तब नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा। खत्म हो रहे वित्तीय साल की आखिरी 2 तिमाही में सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में गोल्ड प्रति 10 ग्राम 11,000 रुपये तक बढ़ गया है। जानकारों का मानना है कि अभी इसकी कीमत में तेजी थमेगी नहीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय यूएस फेडर रिजर्व द्वारा इस साल ब्याज दरों में 3 बार होने वाली कटौती को दिया जा रहा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक परिस्थितियां और यूएस में मुद्रास्फीति में गिरावट भी गोल्ड की चमक के पीछे का कारण बताए जा रहे हैं। केवल गोल्ड ही नहीं सिल्वर भी तेजी दिखने की उम्मीद है। जानकार का कहना है कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड सितंबर 2024 तक 2,350 प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। बता दें कि अभी स्पॉट गोल्ड का प्राइस 2,254 डॉलर है। उन्होंने कहा है कि अगर कोई गोल्ड में निवेश करना चाह रहा है, तब वह फेडरल रिजर्व की मीटिंग और उस बैठक में होने वाली संभावित रेट कटौती को ध्यान में रखकर निवेश करे। बकौल फेडरल रिजर्व की अगली बैठक अप्रैल 30 अप्रैल से 1 मई के निर्धारित है जिसमें ब्याज दरों में कटौती की घोषणा हो सकती है। जानकारों के अनुसार वित्त वर्ष 25 में गोल्ड 72,000 से 75,000 रुपये के रिकॉर्ड हाई तक जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमत 2,370 से 2,450 तक जा सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित रेट कट की घोषणा के बाद से बाजार में सोने का भाव और तेज हो गया है। उन्होंने कहा कि बाजार रेट कट से पहले ही उस पर प्रतिक्रिया देने लगा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति में हल्की गिरावट की वजह से भी सोने को समर्थन मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बदलीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में रविवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रे विवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.16 प्रतिशत उबलकर 83.11 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड भी तेजी के साथ 87.00 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लिटर, डीजल 87.62 रुपए प्रतिलिटर, मुंबई में

पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लिटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रतिलिटर, डीजल 92.34 रुपए प्रतिलिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लिटर, डीजल 90.76 रुपए प्रतिलिटर बिक रहा है।

आईपीएल में आज हार का सिलसिला तोड़ने के इरादे से उतरेगी मुम्बई इंडियंस

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में कप्तान हार्दिक पंड्या की मुम्बई इंडियंस का मुकाबला संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच को किसी भी हाल में जीतकर हार्दिक अपने आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उनकी कप्तानी पर भी सवाल उठे हैं।

अब तक हुए मैचों में मुम्बई की बल्लेबाजी और गेंदबाजी उसके नाम के अनुरुप नहीं रही है। टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। स्वयं कप्तान हार्दिक भी गेंद और बल्ले से विफल रहे हैं। इसके अलावा पिच को लेकर उनके आंकलन भी गलत साबित हुए हैं। इसलिए इस मैच में उतरते समय मुम्बई पर काफी दबाव रहेगा। वहीं दूसरी ओर सैमसन की कप्तानी में उतरी रॉयल्स ने इस बार काफी अच्छी शुरुआत करते हुए अपने दोनो ही मैच जीते हैं। जिससे उसका हौंसला बढ़ा हुआ है और अब वह इस मैच में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखना चाहेगी। इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में भी राजस्थान का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। मुम्बई को अगर ये मैच जीतना है तो रोहित सहित कभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ पदर्शन करना होगा। पिछले मैच में जसप्रीत बुमराह को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी थी। इस बार कप्तान को वो गलती नहीं करनी होगी।

अभी मुम्बई की टीम अंक तालिका में 9वें नंबर पर है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की टीम तीसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर अगर नजर डालें तो मुंबई और राजस्थान ने अब तक केवल 28 आईपीएल मैच खेले हैं। इसमें से मुम्बई ने 15 जीते हैं, जबकि राजस्थान ने 12 जीते हैं। वहीं दोनों के बीच एक मैच बराबरी पर रहा था।

मुंबई ने राजस्थान के साथ पिछले 5 में से 4 मैच जीते हैं। अंतिम बार राजस्थान ने मुम्बई को आईपीएल 2022 में हराया था। वहीं घरलू मैदान पर मुंबई ने आरआर के साथ अब तक 8 मैच खेले हैं और उनमें से 5 में जीत हासिल की है। शुरुआती दो मैच में हार के बाद मुंबई इंडियंस की हालत अभी कमजोर है। मुंबई के लिए गेंदबाजी में बुमराह के अलावा फिलहाल कोई भी असरदार नहीं दिख रहा है। क्वेना मफाका, रोमारियो शेफर्ड जैसे गेंदबाज पिछले मैच में असफल रहे थे। इसके अलावा उसके पास शीर्ष स्तर के स्पिनर भी नहीं हैं।

हालांकि, उनकी बल्लेबाजी रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ईशान किशान और टिम डेविड के होने से काफी मजबूत नजर आ रही है। केवल मध्य क्रम ही उसका उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है।

दूसरी तरफ राजस्थान रॉयल्स की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों में काफी संतुलित है। उसके पास जोस बटलर और यशस्वी जयसवाल जैसे शुरुआती

बल्लेबाज हैं। वहीं मिडिल ऑर्डर में रियान पराग भी अच्छे फार्म में हैं। गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान के पास गेंदबाजी में भी ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल और रवि अश्विन जैसे गेंदबाज हैं। वानखेड़े की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को लाभ होगा। इस मैदान की पिच स्पिनरों को भी सहायता करती है जिसका लाभ दोनो ही टीमों के स्पिनर उठा सकते हैं।

टीम

मुम्बई इंडियंस - हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, टिम डेविड, गेराल्ड कोएत्ज़ी, शम्स मुलानी, पीयूष चावला, जसप्रीत बुमराह, क्वेना मफाका, रोमारियो शेफर्ड।

राजस्थान रॉयल्स - संजू सैमसन(कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, रियान पराग, शिम्रोन हेटमायर, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, अवेश खान, संदीप शर्मा, युजवेंद्र चहल, नांद्रे बर्गर।

बोपन्ना-इबडेन की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन का खिताब, रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर वापसी की

मियामी (एजेंसी)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए ऑस्ट्रेलिया के जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ यहां मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता।

इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7(3), 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था। उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया।

बोपन्ना ने जीत के बाद कहा, 'यह आश्चर्यजनक है। हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं।' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना पहला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले बोपन्ना ने कहा, 'मैं मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। उस रिकॉर्ड को बरकरार रखना और बाकी सभी को कड़ी टक्कर देना अच्छा है।'

यह बोपन्ना का 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी का यह 63वां एटीपी टूर स्तर का फाइनल और 26वां युगल खिताब था। बोपन्ना ने इस दौरान एक और उपलब्धि हासिल की। वह लिएंडर पेस के बाद सभी 9 एटीपी मास्टर्स स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

पंड्या के लिए अच्छी नहीं रही आईपीएल सत्र की शुरुआत

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या के लिए आईपीएल के 2024 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। मुम्बई टीम को अबतक अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पंड्या का अपना पदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। वह गेंद और बल्ले से विफल रहे हैं। ऐसे में पंड्या को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। जिस प्रकार दूसरे मैच में वह पिच का मिजाज समझने में असफल रहे हैं। उससे उनके कप्तानी कौशल पर भी सवाल उठे हैं। वहीं पंड्या इसके बाद भी आलोचनओं की परवाह नहीं करते हुए सीधे अपने घर चले गये। वह परिवार के साथ रहकर अब तक की उसफलता की निराशा से उबरना चाहते हैं। मुंबई इंडियंस को अपना अगला मैच 1 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है और इसमें टीम पर जीत दर्ज करने का दबाव रहेगा। पंड्या इससे पहले के दो सत्र में गुजरात टाइटंस के कप्तान रहे थे। इसमें एक बार टीम ने खिताब जीता था जबकि दूसरी बार वह उपविजेता रही थी। वहीं मुम्बई ने भविष्य की संभावनाओं का देखते हुए इस क्रिकेटर को ट्रेड करार के तहत अपनी टीम में शामिल किया पर उनका ये प्रयोग अब तक असफल रहा है। अब देखना है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम कैसा प्रदर्शन करती है। मुम्बई टीम अब तक इस सत्र में अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखा पायी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज दोनो ही असफल रहे हैं। टीम रोहित शर्मा सहित कई स्टार खिलाड़ी होने के भी विरोधी टीमों पर दबाव नहीं बना पायी।

गुजरात का आलराउंड प्रदर्शन, हैदराबाद के खिलाफ 7 विकेट से जीता मैच

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 के 12वां मैच में गुजरात टाइटंस ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। गुजरात ने टॉस हारने के बाद मोहित शर्मा के 25 रन देकर 3 विकेट की बदौलत हैदराबाद को 162 रन पर रोक दिया। हैदराबाद ने अब्दुल समद और अभिषेक शर्मा की 29-29 रनों की पारियों सहित टीम प्रयास को किया लेकिन कोई भी खिलाड़ी तेज और बड़ी पारी नहीं खेल सका। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात की शुरूआत अच्छी रही और साथ ही उन्होंने विकेट्स और गति को बनाए रखा जिससे टीम 19.1 ओवर में 168 रन बनाकर 7 विकेट पर जीत गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टीम की शुरूआत अच्छी रही और टीम ने 3 विकेट गंवाकर 63 रन बना लिए हैं। गुजरात ने अच्छी शुरूआत की और पहले विकेट के लिए रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल ने 36 रन की साझेदारी की। साहा ने 13 गेंदों पर एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 25 रन बनाए और 4.1 ओवर में शाहबाज अहमद की गेंद पर कमिंस के हाथों कैच आउट हो गए। गिल ने 28 गेंदों पर 36 रन बनाए और मार्कराम की गेंद पर अब्दुल समद के हाथों कैच आउट हो गए। इसके बाद तीसरे विकेट के नुकसान से पहले सुदर्शन और डेविड मिलर के बीच 64 रन की एक और महत्वपूर्व साझेदारी हुई। हालांकि इस दौरान सुदर्शन एक रन से अर्धशतक से चूक गए और 16.1 ओवर में कमिंस की गेंद पर अभिषेक के

हाथों कैच आउट हो गए। डेविड मिलर (44) और विजय शंकर (14) नाबाद वापस लौटे।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद के लिए मयंक अग्रवाल और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत के तहत पहले विकेट लिए 34 रन जोड़े। उमरजई ने पांचवें ओवर में मयंक को 16 रन पर आउटकर हैदराबाद को पहला झटका दिया। उसके बाद सातवें ओवर में नूर अहमद ने ट्रैविस को 19 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद जो भी बल्लेबाज पिच आये उन्होंने तेजी से के साथ रन बटोरे। अभिषेक शर्मा ने 20 गेदों में दो चौके और दो छक्कों के साथ 29 रनों की पारी खेली। एडन मारक्रम ने 17 रन बनाए। हाइनरिक क्लासन 13 गेंदों में 24 रन और शाहबाज अहमद 20 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। अब्दुल समद 14 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 29 रनों की पारी खेली। समद आखिरी गेंद पर रनआउट हुये। कप्तान पैट कमिंस दो रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 162 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात जायंट्स की ओर से मोहित शर्मा ने तीन विकेट लिये। अजमतउल्लाह उमरजई, उमेश यादव, राशिद खान और नूर अहमद ने एक-एक विकेट लिया।

रायबकिना को हराकर कोलिन्स बनीं मियामी ओपन चैम्पियन

मियामी गार्डन्स। डेनिएल कोलिन्स ने मियामी ओपन टेनिस में विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ऐलेना रायबकिना को 7-5, 6-3 से हराकर अपने घरेलू मैदान पर महिला एकल खिताब पर कब्जा किया। तीस साल की कोलिन्स आखिरी बार इस टूर्नामेंट में खेल रही है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी सत्र होगा क्योंकि वह 'एंडोमेट्रियोसिस' से पीड़ित हैं। यह एक दर्दनाक बीमारी है जो गर्भाशय को प्रभावित करती है। स्टेडियम में आंद्रे अगासी और मार्टिना नवरातिलोवा की मौजूदगी के बीच विश्व रैंकिंग में 59वें स्थान पर काबिज कोलिन्स अपने बैकहैंड से क्रॉसकोर्ट विनर लगाने के बाद 10 सेकंड तक कोर्ट पर लेटी रही। कोलिन्स ने इस यादगार जीत के बाद कहा, '' इस जीत के लिए मुझे पूरा जोर लगाना पड़ा और ऐलेना ने मैच के दौरान मेरी कड़ी परीक्षा ली। मैं आखिर में इस बात को लेकर शुक्रगुजार हूं कि उसे पछाड़ सकी।''

शाइन की जगह बाबर आजम फिर बने पाक टीम के कप्तान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शाइन अफरीदी को हटाकर एक बार फिर अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को एकदिवसीय और टी20आई प्रारूप के लिए कप्तान बना दिया है। बाबर को एकदिवसीय विश्वकप के बाद कप्तानी से हटा दिया गया था। इसके बाद शान मसूद को टेस्ट जबकि शाइन को सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए कप्तान बनाया गया था। शाइन को कप्तान बनाये जाने के बाद टीम का प्रदर्शन और खराब हो गया था। इसी को देखते हुए पीसीबी ने एक बार फिर आजम को कप्तानी की जिम्मेदारी दी है। पीसीबी ने कहा , बाबर आजम को एक बार फिर सफेद गेंद का कप्तान नियुक्त किया गया। पीसीबी की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर को सफेद गेंद (वनडे और टी20ई) कप्तान नियुक्त किया है। पीसीबी की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की। इससे पहले ही बाबर के कप्तान बनने की खबरें सामने आई थी जिसमें पीसीबी अध्यक्ष नकवी ने आजम को सफेद गेंद के प्रारूप में फिर कप्तानी संभालने की पेशकश की थी। वहीं बाबर ने कप्तानी स्वीकार करने के लिए कुछ शर्तें भी रखी थी जिन्हें लगता है कि पीसीबी ने मान लिया है। इसमें कोचों की नियुक्ति में भी उनकी राय लेना शामिल है।

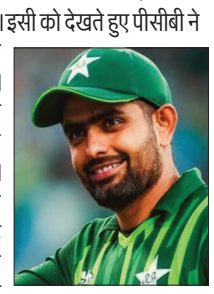

छह महीने बाद लौटेंगी मीराबाई, ओलंपिक कोटे पर नजरें

फुकेट (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू छह महीने चोट के कारण ब्रेक के बाद आईडब्ल्यूएफ विश्व कप के जरिए वापसी करेंगी ताकि पेरिस ओलंपिक का टिकट कटा सके। विश्व कप आखिरी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट ही नहीं है बल्कि पेरिस खेलों के लिए अनिवार्य भी है। विश्व कप में उनकी भागीदारी ही पेरिस का टिकट कटाने के लिए काफी होगी क्योंकि पूर्व विश्व चैम्पियन महिलाओं की 49 किलो ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है।

ओलंपिक 2024 क्वालीफिकेशन नियमों के तहत विश्व चैम्पियनशिप 2023 और विश्व कप 2024 में भाग लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंटों के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री वन, 2023 ग्रां प्री टू और 2024 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से कम से कम तीन में भाग लेना जरूरी है। चानू इन मानदंडों पर खरी उतरती है जिन्होंने 2022 विश्व चैम्पियनशिप और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप खेली थी।

विश्व कप के आखिर में इन पात्रताओं पर खरे उतरने वाले शीर्ष 10 भारोत्तोलक अपने भारवर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा, 'वह चोट के बाद वापसी कर रही है और हम हड़बड़ी नहीं करेंगे। वह पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है तो इसे खींचने का कोई मतलब नहीं है । हम चाहते हैं कि वह सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे।'

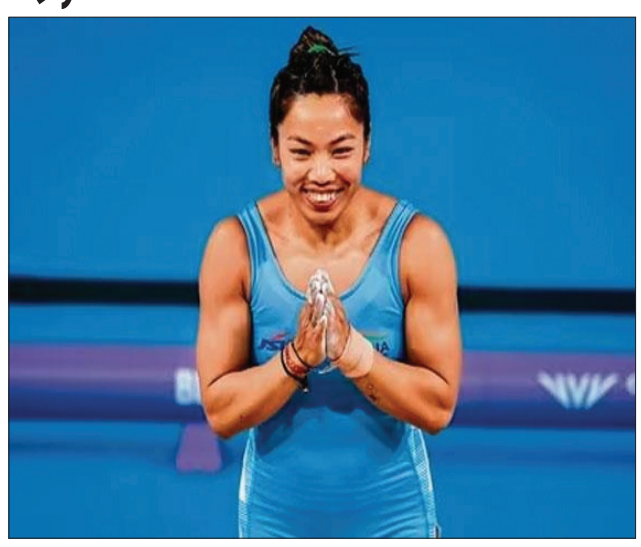

मोंटे कार्लो और म्यूनिख में नजर नहीं आयेंगे एंडी मरे

मियामी । ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे मोंटे कार्लो और म्यूनिख में क्ले कोर्ट पर होने वाले टेनिस टूर्नामेंटों में नहीं खेलेंगे। मरे के यहां जारी मियामी ओपन में टखने में चोट लगी है। उन्हें टोमास माचाक के खिलाफ मैच में चोट लग गयी थी। उन्हें इससे उबरने में लंबा समय लगेगा। इसी कारण उन्हें मोंटे कार्लो और म्यूनिख में आगामी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। मोंटे कार्लो मास्टर्स सात अप्रैल से शुरू होगा जबकि म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू ओपन अगले हफ्ते से खेला जायेगा। मियामी ओपन के एक मैच के दौरान उनके बायें टखने की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उसी के बाद से ही वह इलाज के लिए खेल से दूर हो गये हैं। इसके साथ उन्होंने घोषणा की कि वह लंबे समय तक टेनिस नहीं खेल पायेंगे। उनकी प्रबंधन टीम के बयान के अनुसार, ''इस समय अभी तक स्पष्ट नहीं है कि मरे कितने लंबे समय तक टेनिस से दूर रहेंगे। वह अपनी चिकित्सा टीम के साथ शीघ्र ही फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे।''सा ही कहा गया, ''निश्चित रूप से यह इस स्टारा खिलाड़ी के लिए बहुत ही निराशाजनक बात है हालांकि उन्होंने कहा हैक वह जितना जल्दी हो सके कोर्ट पर वापसी का प्रयास करेंगे।''

बिना शतक श्रीलंका ने बनाया टेस्ट क्रिकेट का सबसे बड़ा स्कोर

खेल डैस्क (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही श्रीलंकाई टीम ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 531 रन बनाए, जो किसी व्यक्तिगत शतक के बिना अब तक का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है। चट्टोग्राम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। पहले दिन स्टंप्स तक उन्होंने 314-4 स्कोर बनाए। दूसरे दिन वह 531 रन पर आउट हो गए। शाकिब अल हसन ने 3-110 के आंकड़े दिए। श्रीलंका के छह बल्लेबाज - निशान मदुष्का (57), दिमुथ करुणारत्ने (86), कुसल मेंडिस (93), दिनेश चांडीमल (59), डी सिल्वा (70), और मेंडिस (92 नाबाद) - शतक बनाने में फेल हो गए। यह अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में बिना किसी व्यक्तिगत शतक के सर्वोच्च स्कोर है। पिछला सर्वोच्च स्कोर भारत का 524-9 था जो 1976/77 में कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। वहां छह बल्लेबाजों ने अर्धशतक बनाए थे। मोहिंदर अमरनाथ ने सर्वाधिक 70 रन बनाए थे। ऐसा पाकिस्तान (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, मेलबर्न 1981/82), जिम्बाब्वे (बांग्लादेश के खिलाफ, हरारे 2003/04), पाकिस्तान (न्यूजीलैंड के खिलाफ, नेपियर 2009/10) और इंग्लैंड (वेस्टइंडीज के खिलाफ, लीड्स 2017) के साथ भी हो चुका है। बहरहाल, श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 159 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए 531 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से शाकिब अल हसन (3-110) सबसे सफल गेंदबाज रहे। खलील अहमद ने 71 रन देकर 1, हसन महमूद ने 92 रन देकर 2, मेहदी हसन मिराज ने 146 रन देकर 1 विकेट लिया।

पीसीबी लाल गेंद और सफेद गेंद प्रारूप के लिए अलग-अलग विदेशी कोच नियुक्त करेगा : सूत्र

लाहौर - पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने लाल गेंद और सफेद गेंद प्रारूपों के लिए अलग-अलग विदेशी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है और सूत्रों के अनुसार इसमें ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी और पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को संभावित उम्मीदवारों के रूप में शामिल किया गया है। पीसीबी ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर लाल गेंद और सफेद गेंद कोच के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया। इच्छुक उम्मीदवार (विदेशी और स्थानीय) 15 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं और उनके पास न्यूनतम लेवल दो कोचिंग की पात्रता होने के अलावा घरेलू, अंतरराष्ट्रीय या फ्रेंचाइजी टीम को कोचिंग देने का कम से कम पांच साल का अनुभव होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि उच्च स्तर की कोचिंग पात्रता वाले उम्मीदवारों को नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि विज्ञापन में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं लेकिन बोर्ड ने कर्स्टन और गिलेस्पी के साथ बातचीत की है। बोर्ड को उनके आवेदन का इंतजार है ताकि उन्हें दीर्घकालिक आधार पर नियुक्त किया जा सके। सूत्र के अनुसार भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके कर्स्टन सफेद गेंद प्रारूप (सीमित ओवरों की टीम) के लिए चुना गया है, जबकि गिलेस्पी को लाल गेंद (टेस्ट) टीम का मुख्य कोच बनाए जाने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी सब कुछ तयशुदा तरीके से कर रहे थे और उन्होंने सभी घटनाक्रमों के बारे में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को सूचित भी कर दिया था। सूत्र ने कहा, 'उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए विज्ञापन दिया है कि जो भी कोच के रूप में नियुक्त किया जाता है, उसे अपनी योग्यता दिखाने के लिए उचित अनुबंध और कार्यकाल दिया जाए ताकि उन्हें किसी भी अध्यक्ष की इच्छा और पसंद के अनुसार बदला नहीं जा सके।% पिछले काफी समय में यह पहली बार है जब पीसीबी ने राष्ट्रीय टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन दिया है। इससे पहले जका अशरफ और नजम सेठी के कार्यकाल में बिना किसी विज्ञापन के कोच को नियुक्त किया गया था। यहां तक की पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने भी विदेशी सलाहकारों को बिना किसी विज्ञापन के नियुक्त किया था।

अशोक कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट, सलीमा और हार्दिक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह और डिफेंडर सलीमा टेटे को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ट खिलाड़ी का हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया जबकि मेजर ध्यानचंद के नाम पर लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान उनके बेटे अशोक कुमार को मिला।

पिछले साल एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीतने वाले हार्दिक ने पुरस्कार की दौड़ में पी आर श्रीजेश और हरमनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ा। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे 25 वर्ष के हार्दिक सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

उन्होंने पुरस्कार जीतने के बाद कहा, 'इतने महान खिलाड़ियों के साथ नामांकन पाना ही बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार से मुझे आगे और अच्छा खेलने की प्रेरणा मिलेगी।' वहीं झारखंड के सिमडेगा जिले की टेटे तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम का हिस्सा थी। उन्होंने पुरस्कार की दौड़ में अपनी कप्तान और एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर का पुरस्कार जीतने वाली सविता पूनिया को पछाड़ा।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कार के तौर पर 25 लाख रूपये और प्रशस्ति पत्र दिया गया। यहां आयोजित हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कार समारोह में पी आर श्रीजेश को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मिला। हरमनप्रीत ने इस मौके पर कहा, 'पुरस्कार और अच्छा खेलने की प्रेरणा देते हैं। टीम में इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है जो हॉकी के लिए अच्छा है।'

वहीं हार्दिक ने सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का पुरस्कार भी जीता और सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार अभिषेक को मिला। सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंडर 21 खिलाड़ी का पुरस्कार महिला वर्ग में दीपिका सोरेंग और पुरूष वर्ग में अराइजीत सिंह हुंडल को मिला। मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम पुरस्कार जीतने वाले उनके बेटे और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अशोक कुमार ने कहा, 'हमें सरदार बलबीर सिंह, उधम सिंह, कैप्टन रूप सिंह, केडी सिंह बाबू जैसे महान खिलाड़ियों की परंपरा को जारी रखते हुए इस बार पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है।'

भारत ने 41 साल के इंतजार के बाद तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। आठ बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम ने ओलंपिक में आखिरी स्वर्ण 1980 में मॉस्को में जीता था। अशोक कुमार ने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। दबाव पर काबू रखते हुए अपने कौशल का प्रदर्शन करना है। अब तो खिलाड़ियों के पास आलातरीन कोच, बुनियादी ढांचा और सुविधाएं हैं। हमें उम्मीद है कि ये टीम पेरिस में स्वर्ण जीतकर भारतीय हॉकी का पुराना गौरव लौटाएगी।'

इसके साथ ही लखनऊ में 2016 में जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप जीतने वाली टीम, हांगझोउ एशियाई खेल 2023 स्वर्ण पदक

विजेता पुरूष टीम और कांस्य पदक विजेता महिला टीम, ओमान में 2023 जूनियर एशिया कप जीतने वाली पुरूष टीम, जापान में जूनियर एशिया कप जीतने वाली महिला टीम, ओमान में एशिया हॉकी 5 में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला और पुरूष टीमों, चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2023 जीतने वाली पुरूष टीम, रांची में महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2023 जीतने वाली महिला टीमों को भी नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पूर्व ओलंपियन हरबिंदर सिंह, जफर इकबाल, अजित पाल सिंह, जगबीर सिंह, जुगराज सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और ओडिशा सरकार के खेल सचिव विनील कृष्णा मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जानें भगवान को भोग लगाते समय घंटी क्यों और कितनी बार बजाते हैं?

हिंदू धर्म में भगवान की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व होता है। हम सभी के घरों में गरुड़ घंटी जरुर होती है। भगवान को सुबह की नींद से जगाने से लेकर आरती और भोग लगाने तक घंटी जरुर बजाई जाती है।

मंदिर हो या घर में भगवान को भोग लगाने के दौरान घंटी जरुर बजाते हैं। लेकिन हम सभी काफी समय से पूजा कर रहे हैं लेकिन बहुत ही कम लोग इस बारे में जानते होंगे कि भोग के समय घंटी क्यों बजाई जाती है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आखिर भोग के दौरान घंटी क्यों बजाई जाती है और कितनी बार घंटी बजाकर भोग लगाना चाहिए, चलिए आपको बताते हैं।

क्यों बजाते हैं घंटी

पौराणिक ग्रंथ के अनुसार वायु तत्व को जागृत करने के लिए भगवान के समक्ष घंटी बजाई जाती है। आपको बता दें, वायु के ये पांच मुख्य तत्व है, व्यान वायु, उड़ान वायु, समान वायु, अपान वायु और प्राण वायु आदि। भगवान को नैवेद्य चढ़ाते समय पांच बार घंटी बजाते है। नैवेद्य अर्पित करते समय वायु के पांच तत्व को याद करके 5 बार घंटी और घंटा बजाकर भगवान को भोग लगया जाता है। पांच बार घंटी बजाकर भगवान और वायु तत्व को जागृत किया जाता है। हम जो भोग को अर्पित करते हैं उसकी खुशबू भगवान को हवा के मार्ग से पहुंच सके।

कैसे करें भगवान को भोग अर्पित

भगवान को जो वस्तु हम अर्पित करते हैं जैसे- अन्न, जल, मेवा, मिष्ठान और फल को नैवेद्य कहा जाता है। बता दें कि, नैवेद्य को हमेशा पान के पत्ते पर रखकर भगवान को अर्पित किया जाता है। देवताओं को पान का पत्ता काफी प्रिय है, इसलिए उनको हमेशा पान के पत्ते पर ही भोग दिया जाता है। आपको बता दें कि, पान का पत्ते की उत्पति समुद्र मंथन के दौरान अमृत के बूद से हुई थी।

भोग लगाते समय इन मंत्रो का उच्चारण करें

भगवान को भोग लगाते समय पांच बार घंटी बजाएं और साथ ही इन मंत्रों के उच्चारण करें।

ऊँ व्यानाय स्वाहा
ऊँ उदानाय स्वाहा
ऊँ अपानाय स्वाहा
ऊँ समानाय स्वाहा
ऊँ प्राणाय स्वाहा

इस मंत्र का उच्चारण करने के बाद हाथ में जल लेकर प्रसाद या भोग के चारों ओर घूमाते हुए ऊँ ब्रह्मअणु स्वाहा बोलकर धरती पर जल छोड़ दें।

वास्तु के अनुसार सजांए पूजा घर

आज हर किसी के घर में कोई ना कोई समस्या बनी ही रहती है। लोग चाहे कितना भी खुश क्यों ना रहना चाहें। वह किसी अनहोनी से परेशान रहते ही हैं। इसका कारण यह भी हो सकता है कि हम वास्तु से अनजान हों। क्योंकि अक्सर हम अपनी खुशी में वास्तु और भगवान को भूल जाते हैं। हालांकि सभी के घर में पूजा घर जरूर होता है। लेकिन कई लोग बिना सोचे समझे घर में पूजा घर का निर्माण करवा लेते हैं और कई लोग वास्तु को देख कर इसका निर्माण करवाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के शुरुआती दरवाजे से लेकर बालकनी तक प्रयोग किया जाता है। यहां तक कि लोग अपने घर को सजाते भी वास्तु को ध्यान में रख कर ही हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर नहीं भी बना है तो भी आप इसके अनुसार अपना पूजा घर बनवा सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा घर की दिशा, उसकी जगह, किस धातु से बना है मंदिर आदि.. और भी कुछ नियम अहम होते हैं। तो आइये जानते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार कैसा होना चाहिये आपका पूजा घर।

पूर्व, उत्तर और पूर्वोत्तर कि दिशा सबसे अच्छी होती है पूजा घर बनाने के लिये। अगर आपका घर तीन तल्ले का है तो अच्छा होगा कि आप अपना पूजा घर नीचे वाले फ्लोर पर ही बनवाएं। पूजा घर के सामने, बगल, ऊपर या नीचे टॉयलेट और किचन नहीं होना चाहिये। अगर घर में जगह कि कमी है और पूजा घर बेडरूम में है तो ध्यान रखें कि कभी भी आप अपना पैर मंदिर कि ओर कर के न सोएं। पूजा घर के लिए प्राय: हल्के पीले रंग को शुभ माना जाता है, अत: दीवारों पर हल्का पीला रंग का प्रयोग आप निश्चित होकर कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार तिकोने आकार का पूजा घर बहुत अच्छा माना जाता है। पूजा घर की छत भी तिकोनी होनी चाहिये जिससे अच्छी शक्ति बनी रहे। भगवान कि मूर्ती को रखते वक्त ध्यान रखें कि उन सब कि मूर्तियां एक-एक इंच कि दूरी पर रखी गई हो। मूर्तियों को एक दूसरे के सामने नहीं रखना चाहिये। मूर्तियों को पूर्व, पश्चिम और उत्तर पूर्व में रखें। पूजा घर को सजाने के लिये तांबे के ही बर्तन का इस्तमाल करें। दिया हमेशा भगवान की मूर्ती के सामने ही जलना चाहिये। अपने पूजा घर में भगवान कि मूर्ति के साथ परिवार के मरे हुए सदस्यों कि तस्वीरें न रखें। अपने पूजा घर को हमेशा साफ-सुथरा बनाए रखना चाहिये। साथ ही इसमें कभी सोना नहीं चाहिये और न ही कोई कबाड़ रखना चाहिये।

वास्तु से जाने शुभ-अशुभ के इशारे

अक्सर हमारे बड़े बुजुर्ग शुभ-अशुभ के बारे में बातें किया करते हैं और यह कहा करते हैं कि यह मत करो अशुभ होता है।वहां मत जाए वो जगह शुभ नहीं है।भारतीय प्राचीन ग्रंथों एवं जीव संबंधों के बारे में अनेकानेक तथ्यों से शुभाशुभ की जानकारी किसी भी स्थान पर रहने वालों को प्राप्त होती रहती है। प्रकृति को विभिन्न विकिरणों एवं संदेशों को समझने एवं ग्रहण करने की क्षमता मनुष्य से कई गुना अधिक होती है। तदानुसार वे अपने माध्यम से मनुष्य को आने वाले शुभाशुभ की जानकारी देते रहते हैं। ऐसे ही कुछ प्रमुख शकुन एवं अपशकुन की जानकारी आपको दे रहे हैं लेकिन इन्हें प्रयोग में लाने से पूर्व किसी विवाद में न पड़ कर स्वयं समय-समय पर इनका निरीक्षण परीक्षण आप स्वयं ही कर सकते हैं।

१. जिस भवन के द्वार पर आकर गाय जोर-जोर से रंभाए तो निश्चय ही उस घर के सुख में वृद्धि होती है।
२. जिस घर में काली चींटियां समूह वृद्ध होकर घूमती हों वहां ऐश्वर्य वृद्धि होती है, किंतु मतभेद भी होते हैं।
३. भवन के सम्मुख कोई कुत्ता भवन की ओर मुख करके रोए तो निश्चय ही घर में कोई विपत्ति आने वाली है अथवा किसी की मृत्यु होने वाली है।
४. घर में प्राकृतिक रूप से कबूतरों का वास शुभ होता है।
५. पीला बिच्छू माया का प्रतीक है। पीला बिच्छू घर में निकले तो घर में लक्ष्मी का आगमन होता है।

रोगमुक्त करती हैं मां शीतला

वर्ष 2024 में जहां शनिवार को रंग पंचमी का पर्व मनाया गया, वहीं चैत्र कृष्ण सप्तमी और अष्टमी तिथि पर मनाया जाने वाला माता शीतला का खास पर्व इस बार कैलेंडर के मतांतर के चलते एक दिन आगे-पीछे मनाए जाने की संभावना है।

इस बार शीतला सप्तमी पर्व पर पूजन जहां 31 मार्च या 01 अप्रैल 2024 को किया जाएगा, वहीं शीतला अष्टमी तिथि पर माता शीतला का पूजन 01 और 02 अप्रैल 2024 को किया जाएगा। इस दिन घर की महिलाएं बच्चों की सलामती के लिए श्रद्धा एवं पूर्ण विश्वास के साथ माता का पूजन करके परिवार की सुख-समृद्धि तथा बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना से यह व्रत करती हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी और अष्टमी तिथि पर शीतला सप्तमी और शीतला अष्टमी का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व में शीतला सप्तमी की तरह ही अष्टमी के दिन भी एक दिन पहले ही विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर माता शीतला को भोग लगाने हेतु तैयार किए जाते हैं तथा अष्टमी पूजन के पश्चात इन्हीं ठंडे/ बासी भोजन को करने की ही मान्यता है।

इस दिन गरम भोजन ना ही खाया जाता हैं और ना ही देवी शीतला माता को समर्पित किया जाता हैं। जिस घर में शीतला सप्तमी या अष्टमी व्रत का पालन किया जाता है, वहां सुख, शांति हमेशा बनी रहती है तथा रोगों से निजात भी मिलती है।

शीतला देवी की पूजा का महत्व

माता शीतला स्वच्छता सेहत और सुख-समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी हैं। जिस घर में सप्तमी-अष्टमी तिथि को शीतला सप्तमी-अष्टमी व्रत और पूजा के विधि-विधान का पालन किया जाता है, वहां घर में सुख, शांति बनी रहती है और रोगों से मुक्ति भी मिलती है। मान्यता है कि नेत्र रोग, ज्वर, चेचक, कुष्ठ रोग, फोड़े-फुंसियां तथा अन्य चर्म रोगों से आहत होने पर मां की आराधना रोगमुक्त कर देती है, यही नहीं माता की आराधना करने वाले भक्त के कुल में भी यदि कोई इन रोंगों से पीड़ित हो तो ये रोग-दोष दूर हो जाते हैं। मां की अर्चना का स्त्रोत स्कंद पुराण में शीतलाष्टक के रूप में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इस स्त्रोत की रचना स्वयं भगवान शंकर ने जनकल्याण में की थी।

पूजाविधि

शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए घरों में अनेकों प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं। पूजा वाले दिन महिलाएं सुबह मीठे चावल, दही, रोटी, हल्दी, चने की दाल और लोटे में पानी लेकर पूजा करती हैं। माता शीतला को जल अर्पित करें और उसकी कुछ बूंदे अपने ऊपर भी डालें। जो जल चढ़ाएं और चढ़ाने के बाद जो जल बहता है, उसमें से थोड़ा जल लोटे में डाल लें। यह जल पवित्र होता है। इसे घर के सभी सदस्य आंखों पर लगाएं। थोड़ा जल घर के हर हिस्से में छिड़कना चाहिए। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसके पश्चात सभी खाद्य पदार्थों से माँ का भोग लगाएं और थाली में बचा हुआ भोजन कुम्हार को दे दें। अब माता शीतला की कथा पढ़कर अपने परिवार के सदस्यों के लिए माता से सुख-शांति एवं आरोग्य की प्रार्थना करें।रोगों को दूर करने वाली मां शीतला का वास वट वृक्ष में माना जाता है, अत: इस दिन वट पूजन भी विधान है।

मंत्र

इस दिन माता को प्रसन्न करने के लिए शीतलाष्टक का पाठ करना चाहिए।मां का पौराणिक मंत्र 'ह्रं श्रीं शीतलायै नम:% भी सभी संकटों से मुक्ति दिलाते हुए जीवन सुख-शांति प्रदान करता है।

खाटू श्याम

माँ सैत्यम पराजित:।

अर्थात जो हारे हुए और निराश लोगों को संबल प्रदान करता है। वीर प्रसूता राजस्थान की धरा यूं तो अपने आंचल में अनेक गौरव गाथाओं को समेटे हुए है, लेकिन आस्था के प्रमुख केन्द्र खाटू की बात अपने आप में निराली है। शेखावाटी के सीकर जिले में स्थित है परमधाम खाटू। यहां विराजित हैं भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार खाटू श्यामजी। श्याम बाबा की महिमा का बखान करने वाले भक्त राजस्थान या भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने में मौजूद हैं।

खाटू का श्याम मंदिर बहुत ही प्राचीन है, लेकिन वर्तमान मंदिर की आधारशिला सन 1720 में रखी गई थी। इतिहासकार पंडित झाबरमल्ल शर्मा के मुताबिक सन 1679 में औरंगजेब की सेना ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। मंदिर की रक्षा के लिए उस समय अनेक राजपूतों ने अपना प्राणोत्सर्ग किया था।

खाटू में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की पूजा श्याम के रूप में की जाती है। ऐसी मान्यता है कि महाभारत युद्ध के समय भगवान श्रीकृष्ण ने बर्बरीक को वरदान दिया था कि कलयुग में उसकी पूजा श्याम (कृष्ण स्वरूप) के नाम से होगी। खाटू में श्याम के मस्तक स्वरूप की पूजा होती है, जबकि निकट ही स्थित रींगस में धड़ स्वरूप की पूजा की जाती है।

हर साल फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष में यहां विशाल मेला भरता है, जिसमें देश-विदेश से भक्तगण पहुंचते हैं। हजारों लोग यहां पदयात्रा कर पहुंचते हैं, वहीं कई लोग दंडवत करते हुए खाटू नरेश के दरबार में हाजिरी देते हैं। यहां के एक दुकानदार रामचंद्र चेजारा के मुताबिक नवमी से द्वादशी तक भरने वाले मेले में लाखों श्रद्धालु आते हैं। प्रत्येक एकादशी और रविवार को भी यहां भक्तों की लंबी कतारें लगी होती हैं। खाटू मंदिर में पांच चरणों में आरती होती है- मंगला आरती प्रात:-5 बजे, धूप आरती प्रात: 7 बजे, भोग आरती दोपहर 12.15 बजे, संध्या आरती सायं 7.30 बजे और शयन आरती रात्रि 10 बजे होती है। गर्मियों के दिनों में इस समय थोड़ा बदलाव रहता है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को श्यामजी के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर के द्वार 24 घंटे खुले रहते हैं।

दर्शनीय स्थल : श्याम भक्तों के लिए खाटू धाम में श्याम बाग और श्याम कुंड प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। श्याम बाग में प्राकृतिक वातावरण की अनुभूति होती है। यहां परम भक्त आलूसिंह की समाधि भी बनाई गई है। श्याम कुंड के बारे में मान्यता है कि यहां स्नान करने से श्रद्धालुओं के पाप धुल जाते हैं। पुरुषों और महिलाओं के स्नान के लिए यहां पृथक-पृथक कुंड बनाए गए हैं।

कैसे पहुँचें :

सड़क मार्ग - खाटू धाम से जयपुर, सीकर आदि प्रमुख स्थानों के लिए राजस्थान राज्य परिवहन निगम की बसों के साथ ही टैक्सी और जीपें भी यहां आसानी से उपलब्ध हैं।

रेलमार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन रींगस जंक्शन (15 किलोमीटर) है।

वायुमार्ग- यहां से निकटतम हवाई अड्डा जयपुर है, जो कि यहाँ से करीब 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

खाटू में श्याम के रूप में जिनकी पूजा की जाती है दरअसल वे भीम के पोते वीर बर्बरीक हैं। श्रीकृष्ण के वरदान स्वरूप ही उनकी पूजा श्याम रूप में की जाती है। भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की माता का नाम कामकटंककटा था, जिन्हें मोरवी के नाम से जाना जाता है। अत- बर्बरीक को मोरवीनंदन भी कहा जाता है। उन्होंने युद्ध कला अपनी मां सीखी। कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया और तीन अमोघ बाण प्राप्त किए। इसी कारण उन्हें तीन बाणधारी के नाम से भी जाना जाता है। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया। बर्बरीक तीनों लोकों को जीतने की सामर्थ्य रखते थे।

हारे का सहारा

कौरवों और पांडवों के बीच महाभारत युद्ध तैयारियां पूरे जोरों पर थीं। चारों ओर इस युद्ध की चर्चाएं थीं। यह समाचार जब बर्बरीक को मिला तो उनकी भी युद्ध में शामिल होने की इच्छा हुई। वे अपनी मां से युद्ध में शामिल होने की अनुमति लेने पहुंचे। उन्होंने मां से आशीर्वाद लिया और उन्हें वचन दिया कि वे हारे हुए पक्ष का ही साथ देंगे।

वे अपने नीले रंग के घोड़े पर सवार होकर तथा तीन बाण और धनुष लेकर युद्धक्षेत्र कुरुक्षेत्र की ओर प्रस्थान कर गए। मार्ग में उन्हें एक ब्राह्मण ने रोका और परिचय पूछा। यह ब्राह्मण और कोई नहीं लीलाधर कृष्ण स्वयं थे। योगेश्वर ने बर्बरीक पर व्यंग्य किया और पूछा क्या वह सिर्फ तीन बाण लेकर युद्ध में सम्मिलित होने आया? इस पर वीर बर्बरीक ने कहा कि शत्रु सेना को धराशायी करने के लिए मेरे तीन बाण ही काफी हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैंने तीनों बाणों का प्रयोग कर लिया तो त्रिलोक में हा-हाकार मच जाएगा।

और कृष्ण ने बर्बरीक का शीश मांग लिया

इस पर कृष्ण ने अपनी जगतमोहिनी मुस्कान के साथ बर्बरीक को चुनौती दी और पीपल के एक वृक्ष को संकेत करते हुए कहा कि इसके सभी पत्तों को छेदकर बतलाओ तो जानें। बर्बरीक चुनौती को स्वीकार करते हुए अपने तरकस से एक तीर निकाला और पत्तों की ओर चलाया। क्षणभर में पत्तों को बेध कर बाण कृष्ण के आसपास मंडराने लगा। दरअसल, उन्होंने उस वृक्ष का एक पत्ता अपने पांव के नीचे छिपा लिया था।

इस पर बर्बरीक बोला- अपना पांव हटा लीजिए अन्यथा यह तीर आपको भी चोट पहुंचा सकता है। पूरी स्थिति को समझकर कृष्ण ने अपनी वाणी का तीर चलाया और बर्बरीक से पूछा- आखिर तुम किस पक्ष की ओर से युद्ध लड़ोगे। उसने अपनी मां को दिए वचन की बात बताई और कहा जो भी पक्ष इस युद्ध में कमजोर साबित होगा मैं उसकी तरफ से ही युद्ध करूंगा।

कृष्ण जानते थे यदि बर्बरीक ने कौरवों का साथ दिया तो जीती हुई बाजी उनके हाथ से निकल सकती है। ब्राह्मण वेशधारी कृष्ण ने बर्बरीक से वचन लिया और दान में उसका सिर मांग लिया। बर्बरीक क्षण भर के हतप्रभ रह गए, लेकिन वे वचन दे चुके थे। उससे मुकरना भी नहीं चाहते थे। बर्बरीक ने सोचा कि ये कोई साधारण ब्राह्मण नहीं हैं। अत: ब्राह्मण से अपने वास्तविक स्वरूप में आने की प्रार्थना की। कृष्ण न सिर्फ वास्तविक रूप में प्रकट हुए बल्कि बर्बरीक की इच्छा अनुसार उसे अपने विराट रूप के भी दर्शन कराए।

बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है, कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। उनका सिर युद्धभुमि के समीप ही एक पहाड़ी पर स्थापित किया गया, जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध समाप्त हो चुका था। पांडवों में विजय का श्रेय लेने के लिए बहस जारी थी। इस पर कृष्ण ने कहा कि बर्बरीक का शीश संपूर्ण युद्ध का साक्षी है। अत: उससे बेहतर निर्णायक कोई और हो ही नहीं सकता। इस बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि महाभारत युद्ध में चारों ओर भगवान कृष्ण ही नजर आए। युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखाई दे रहा था, जो शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली भी कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना का रक्तपान कर रही थीं।

सीरिया में बम धमाका, हमले में 8 लोगों की मौत, 23 घायल

बेरूत। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि अलेप्पो प्रांत के अजाज में एक लोकप्रिय बाजार के बीच में एक कार में बम विस्फोट हो गया।इस विस्फोट में आठ लोग के मारे गए हैं और 23 अन्य घायल हैं। मरने वालों की संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। रविवार सुबह तुर्की समर्थक बलों के कब्जे वाले उत्तरी सीरियाई शहर के एक बाजार में एक बम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 23 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद एक युद्ध निगरानीकर्ता ने इसकी जानकारी दी।ब्रिटेन स्थित ऑब्जर्वेटरी, जिसके पास सीरिया के अंदर स्रोतों का एक नेटवर्क है उसने जानकारी दी कि विस्फोट स्थल पर कई एम्बुलेंस और बचाव कर्मी मौजूद थे।तुर्की सेना और उनके सीरियाई प्रतिनिधियों ने सीमा के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है, जिसमें अज़ाज़ जैसे कई प्रमुख शहर और कस्बे शामिल हैं।साल 2011 में सरकार द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबाने के बाद सीरिया का युद्ध शुरू हुआ और यह एक घातक संघर्ष में बदल गया जिसमें जिहादियों और विदेशी सेनाओं को शामिल किया गया।

टैक्सास में बर्ड फ्लू कारण दूध का रंग पडी फींका, गायों में सामने आई यह खतरनाक बीमारी

टैक्सास । सुनने में यह थोड़ा अजीब जरूर लग रहा होगा लेकिन यह सच है कि अमेरिका के टैक्सास में बर्ड फ्लू बीमारी के कारण गायों का दूध अचानक गाढा हो गया और दूध का रंग भी फीका पडने लगा। यह बर्ड फ्लू किसी और को नहीं दूध देने वाली गायों को हुआ है। दुनिया में पहली बार हुआ गाय में बर्ड फ्लू फैल गया है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की तरफ से इसकी औपचारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी कृषि विभाग के एक बयान में कहा कि टेक्सास, कैनसस और न्यू मैक्सिको में मुख्य रूप से पुरानी डेयरियों में गायों के बीच इस बीमारी की जांच कर रहे, जिसके कारण स्तनपान में कमी, कम भूख और अन्य लक्षण हो रहे हैं। इन इलाकों के कुछ किसानों ने अपने अपने खेतों में बड़ी संख?या में पक्षियों को मरा हुआ पाया। यह सभी पक्षी प्रवासी थे। जो अक्सर इस मौसम में इन इलाकों में आ जाते थे। जांच की गई तो पता चला कि गायों में यह वायरस इन्हीं पक्षियों से पहुंचा है। बताया गया कि अब तक इस वायरस से बहुत कम गायों ने अपनी जान गंवाई है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि गाय में बर्ड फ्लू के चलते इन प्रांतों में दूध उत्पादन करीब 40 प्रतिशत तक गिर गया है।कृषि विभाग ने कहा, 'डेयरियों को केवल स्वस्थ जानवरों के दूध की सप्लाई का निर्देश दिया गया है। बर्ड फ्लू से प्रभावित जानवरों के दूध को तुरंत नष्ट करने का आदेश दिया गया है ताकि यह खाद्य आपूर्ति में प्रवेश न कर सके। इसके अलावा, पाश्चुरीकरण लगातार बैक्टीरिया और वायरस को निष्क्रिय करने में सिद्ध हुआ है, जैसे दूध में इन्फ्लूएंजा। अंतरराज्यीय वाणिज्य में प्रवेश करने वाले किसी भी दूध के लिए पाश्चुरीकरण आवश्यक है.?'

कंगाल पाकिस्तान में रेड कारपेट ' के इस्तेमाल पर रोक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में आर्थिक संकट के कारण फिजूलखर्ची को कम करने के प्रयासों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में ' रेड कारपेट ' के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। शरीफ ने सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे के दौरान ' रेड कारपेट के इस्तेमाल पर नाराजगी व्यक्त की। मंत्रिमंडल मामलों के प्रभाग के मुताबिक प्रधानमंत्री के निर्देश पर ' रेड कारपेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया है कि भविष्य में सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और अधिकारियों के लिए ' रेड कारपेट ' का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। हालांकि, इसका इस्तेमाल केवल विदेशी राजनयिकों के लिए एक प्रोटोकॉल के रूप में किया जा सकेगा।फिजूलखर्ची को कम करने के प्रयासों के तहत पिछले हफ्ते पीएम शरीफ और मंत्रिमंडल के सदस्यों ने अपनी इच्छा से वेतन तथा भत्ते नहीं लेने का फैसला किया था।

महिला ने पड़ोसियों की मदद करने के लिए अपनाया अजीब तरीका

लंदन । पड़ोसियों में कई बार विवाद होते हैं और कुछ बहुत ही अजीब सी स्थितियां पैदा कर देते हैं। वहीं कुछ लोग अपने पड़ोस से इतने परेशान हो जाते हैं कि उनका रहना ही मुश्किल हो जाता है। लेकिन एक महिला ने पड़ोसियों के मदद के लिए के संदेश लिखकर छोड़ने का विचार किया फिर महिला को लगा कि कहीं यह उन्हें डरा ना दे। इस दुविधा से बचने के लिए महिला ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। यह महिला अपने तीन भतीजों की देखरेख कर रही थी, तब उसके अपने घर के बाहर कचरे के डिब्बे में ज्यादा ही कचरा हो रहा था। लेकिन अब ऐसा ही कुछ अपने पड़ोस में होते देखा जिनके हाल ही में जुड़वा बच्चे हुए थे। महिला ने सोचा कि वह इस मामले में उनकी मदद कर सकती है। महिला को लगा कि हो सकता है कि पड़ोसियों को भी लग सकता कि उनके भी कचरे के डिब्बे में ज्यादा कचरा होता है। इसके लिए महिला ने एक कागज पर संदेश तैयार किया। लेकिन फिर यह अहसास हुआ कि वह संदेश कहना कहीं उन्हें भी ना डरा दे। इसकारण महिला ने सोशल मीडिया का सहारा लेकर यह संदेश डाल कर लोगों से ही पूछ लिया कि कहीं यह संदेश उन्हें अजीब नहीं लगता है। इस महिला ने ग्रुप पर संदेश की तस्वीर खींच कर डाल दी। संदेश में लिखा था, नमस्कार नेबर्स, मैं आपकी पड़ोसी हूं, में केवल कुछ मदद करना चाहती हूं। यदि आप लोग चाहते हैं कि आपके कचरे के डिब्बे ज्यादा ना भरें तब आप कुछ बैग मेरे कचरे के डब्बे के पास फेंक सकते हैं। मैं उसका स्वागत करूंगीं। वे बेहूदा होते हैं। लेकिन मुझे उन्हें शेयर करने में ज्यादा खुशी होगी। लोल! उम्मीद है कि यह मदद करेगा। इस अजीब सी पोस्ट के लिए सॉरी!

खुफिया एजेंसियों पर पाकिस्तानी न्यायपालिका में दखल देने का आरोप

-पाकिस्तानी कैबिनेट ने जांच के लिए किया आयोग का गठन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की कैबिनेट ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के काम में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप के आरोपों की जांच के लिए एक जांच आयोग गठन करने की मंजूरी दे दी है। यह आयोग जजों द्वारा लगाए गए आरोपी की जांच करेगा और अपनी रिपोर्ट पेश करेगा। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति ने 26 मार्च को सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) को एक पत्र लिखा था और न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप पर न्यायिक सम्मेलन बुलाने का आग्रह किया था। पत्र का जवाब देते हुए, पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने 28 मार्च को प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के साथ एक बैठक के दौरान कहा था कि मामलों में कार्यपालिका द्वारा न्यायाधीशों के न्यायिक कामकाज में हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएग। बैठक में प्रधान न्यायाधीश और प्रधानमंत्री शरीफ के बीच जांच आयोग के गठन पर सहमति बनी थी । सूत्रों ने बताया कि शनिवार को जब कैबिनेट बैठक में मामला आया तो नौकरशाही के अधिकारियों और अन्य अप्रासंगिक व्यक्तियों से कमरे से बाहर जाने का अनुरोध किया गया। कैबिनेट सदस्यों ने आयोग का प्रमुख नियुक्त करने का अधिकार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दिया था। सूत्रों के हवाले से बताया कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश तस्सदुक हुसैन जिलानी की अध्यक्षता वाला एक सदस्यीय आयोग एक पत्र के माध्यम से न्यायाधीशों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करेगा और 60 दिनों में अपनी रिपोर्ट पेश करेगा।

इंडोनेशिया में फैशन वीक के दौरान परिधानों को पेश करती हुई मॉडल्स।

ट्रंप की विवादित पोस्ट पर हंगामा, बाइडन के समर्थकों ने लगाई फटकार

वॉशिंगटन। अमेरिका में चल रहे राष्ट्रपति चुनाव के दौरान एक तस्वीरों वाला वीडियो वायरल हुआ जिसे लेकर काफी हंगाम शुरु हो गया। इस वीडियो में राष्ट्रपति जो बाइडेन के हाथ पैर बंधे हुए दिखाई दे रहे हैं। माना जा रहा है कि इसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारों पर इस तरह की तस्वीर को पोस्ट किया गया है। ट्रंप ने दावा किया कि यह फुटेज एनवाईपीडी के अधिकारी जोनाथन डिलर की मौजूदगी के दौरान लॉन्ग आइलैंड पर कैप्चर किया गया था। वीडियो में ट्रंप के लिए समर्थन व्यक्त करने वाले दो ट्रकों को दिखाया गया है। जिसमें बाइडन की हाथ और पैर बंधी तस्वीर को ट्रक के पीछे दिखाया गया है। ट्रंप द्वारा ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने के बाद जो बाइडन के समर्थकों ने उनकी जमकर आलोचना की। ट्रंप के प्रचार प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने उनका बचाव करते हुए कहा कि यह तस्वीर एक पिकअप ट्रक के पीछे थी, जो राजमार्ग से गुजर रहा था। डेमोक्रेट और लोगों ने न केवल पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और उनके परिवार के खिलाफ घृणित हिंसा का आह्वान किया। बल्कि वे वास्तव में उनके खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार बना रहे हैं। वहीं, बाइडन के प्रचार प्रवक्ता माइकल टायलर ने सीएनएन को बताया कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शेयर की गई यह पोस्ट हास्यपाद है। यह पोस्ट एक रक्तपात की मांग करने की तरह है। ट्रंप नियमित रूप से राजनीतिक हिंसा को भड़का रहे हैं और समय आ गया है कि लोग उन्हें गंभीरता से लें।इस महीने की शुरुआत में ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर वह 2024 के चुनाव में हार जाते हैं तो इससे अमेरिकी ऑटो उद्योग और देश के लिए खूनखराबा होगा। उन्होंने अमेरिका के बाहर निर्मित कारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया।

पीओके स्थित केएफसी में इजरायली सामग्री मिलने से गुस्साई भीड़ ने लगा दी आग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मीरपुर शहर में चल रहे एक केएफसी में भीड़ ने आग लगा दी। उनकी नाराजगी इस बात पर थी कि इस आउटलेट पर इजरायली सामग्री बेची जा रही थी। बताया जा रहा है कि हिंसा फैलाने वाले लोग फिलिस्तीन का समर्थन करने वाले वो लोग थे जो पाकिस्तान में बायकट इजरायल अभियान चला रहे हैं।पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मीरपुर शहर में अमेरिकी फास्ट फूड रेस्तरां फ्रेंचाइजी केएफसी के आउटलेट पर रात में कुछ लोगों ने धावा बोल दिया। इसके बाद भीड़ ने पथराव कर दिया और पुलिस से भी झड़प हो गई।

सूत्रों की माने तो केएफसी पर हमला करते हुए लोगों ने इजरायल विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक नारे लगाए। कथित तौर पर पुलिस की गोलीबारी में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद कई वाहनों और दुकानों में आग लगा दी गई। बता दें, ये घटना पाकिस्तान में चल रहे 'बॉयकॉट इजराइल' आंदोलन से संबंधित है। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और कथित तौर पर हिंसा में शामिल 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि और भी अधिक दोषियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। हमले के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चला है। सभी लोग पुलिस के बयान का इंतजार कर रहें हैं लेकिन इस बारे में पुलिस और फूड रेस्तरां फ्रेंचाइजी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि पुलिस इस मामले की लगातार जांच कर रही है। दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी की जारी है। केएफसी पाकिस्तान, केएफसी की फ्रेंचाइजी है जिसके पूरे पाकिस्तान में 120 से भी ज्यादा अधिक स्थानों पर संचालित होती है। केएफसी पर हुए हिंसक हमले के कई वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखे जा सकते हैं। इस घटना को लेकर पाकिस्तान में लोग बटे हुए हैं। जहां कई सोशल मीडिया यूजर इसकी प्रशंसा करते देखे जा सकते हैं, वहीं अन्य कई लोगों चिंता व्यक्त कर रहे हैं। पाकिस्तान सहित कुछ मुस्लिम बहुसंख्यक देशों में कई कट्टरपंथी इजरायल-हमास युद्ध की शुरुआत से ही इजरायली उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं।

आईडीएफ ने गाजा के अल-शिफा अस्पताल में हमास के चार वरिष्ठ नेताओं को उतारा मौत के घाट

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि उसने गाजा सिटी के अल-शिफा अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान हमास के चार वरिष्ठ नेताओं को मार डाला। वे वहां छिपे हुए थे। आईडीएफ के अनुसार मृतकों में से एक राड थाबेट, हमास की भर्ती टीम का प्रमुख था और एक अन्य महमूद खलील ज़कजुक गाजा शहर में हमास की रॉकेट यूनिट का डिप्टी कमांडर था।

अन्य दो मृतकों की पहचान हमास के वरिष्ठ कार्यकर्ता फादी ड्विक और जकारिया नजीब के रूप में की गई है। आईडीएफ ने कहा कि ड्विक हमास का वरिष्ठ खुफिया अधिकारी था और 2002 में वेस्ट बैंक में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल था। इसमें चार इजराइली नागरिकों की मौत हो गई थी।

आईडीएफ ने कहा कि ज़कारिया नजीब हमास के वेस्ट बैंक मुख्यालय में एक वरिष्ठ कार्यकर्ता था और वेस्ट बैंक में इज़राइल पर हमलों को अंजाम देने और साजिश रचने में शामिल था। आईडीएफ ने शनिवार रात एक बयान में कहा कि अल-शिफा अस्पताल परिसर में गोलीबारी जारी है और उसके सैनिकों ने अस्पताल के अंदर लगभग 200 हमास कार्यकर्ताओं को मार डाला है। बयान में यह भी कहा गया कि आईडीएफ ने शनिवार को दक्षिणी गाजा के खान यूनिस इलाके में हमास के कई बंदूकधारियों को मार डाला।

सेना ने कहा कि इज़राइली वायु सेना ने भी अल-अमल और अल-कुरारा क्षेत्र में हवाई हमले किए। इजराइली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि आईडीएफ अल-शिफा और अल-नासिर अस्पतालों में तलाशी अभियान चला रहा है, जहां अब भी हमास के कई सदस्य छिपे हुए हैं।

बदमाशों ने कैफे में बैठे लोगों को बनाया बंधक, पुलिस ने सुरक्षा कारणों से आसपास के घर खाली कराए

एड़े। नीदरलैंड के एडे शहर का सबसे ज्यादा चलने वाला कैफे भीड़ से भरा हुआ था। इसी दौरान कुछ बदमाश आए और उन्होंने गनपाइंट पर सभी को बंधक बना दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कैफे हाउस को चारो तरफ से घेर लिया और आसपास के रिहासी आवासों को खाली करा दिया। ताकि बदमाशों पर कार्रवाई करने में सुरक्षा कर्मियों को अड़चन न आए। पुलिस प्रवक्ता साइमन क्लोक ने बताया कि एडे में कुछ लोगों को बंधक बनाया गया है, लेकिन उन्होंने घटना के बारे में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबित, क्लोन ने यह भी नहीं बताया कि आखिर इमारत में कुल कितने को लोगों को बंधक बनाया गया है और इसके पीछे कौन लोग हैं। इससे पहले, पुलिस ने एडे शहर में एक सेंट्रल चौक के पास 150 घरों को यह कहते हुए खाली करा लिया था कि इलाके में एक व्यक्ति है जो उनके या दूसरों के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

जनता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी है : शी चिनफिंग

बीजिंग (एजेंसी)। 1 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली 'छुयो शी' पत्रिका के सातवें अंक में सीपीसी केंद्रीय कमेटी के महासचिव और राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक अहम आलेख जारी किया जाएगा, जिसका शीर्षक है कि जनता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी है।

इस आलेख में बल दिया गया कि जनता इतिहास की रचयिता है। जनता सच्ची वीर है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी जनता से आयी है और जनता की सेवा करती है। पार्टी का आधार और शक्ति जनता में है। बेहतर जीवन के प्रति जनता की आकांक्षा तो हमारे संघर्ष का लक्ष्य है। सीपीसी सदस्यों की प्रारंभिक आकांक्षा और कर्तव्य चीनी जनता को सुख दिलाना और चीनी राष्ट्र का पुनरोत्थान पूरा करना है। यही प्रारंभिक आकांक्षा और कर्तव्य सीपीसी सदस्यों के निरंतर बढ़ने की मूल प्रेरणा है। इस आलेख में कहा गया कि सीपीसी के सभी कार्य जनता के मूल हितों की सुरक्षा और विकास करना है। इस आलेख में कहा गया कि शक्तिशाली आधुनिक समाजवादी देश का निर्माण पूरा करने के लिए जनता निर्णायक शक्ति है। हमें पूरी जनता को प्राथमिकता देने पर कायम रहना है।

ध्रुवों के बर्फ पिघलने से पृथ्वी का घूर्णन हो रहा धीमा

-वैज्ञानिकों ने बताया 2029 में आने वाला है संकट!

वाशिंगटन (एजेंसी)। हाल ही में कैलिफोर्निया में हुई एक स्टडी के अनुसार ध्रुवों के बर्फ पिघलने से पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है, जिससे धरती के समय को मापने के तरीका प्रभावित हो सकता है। इस स्टडी के लेखक डंकन एग्न्यू, जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन डिएगो में स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशनोग्राफी के भूभौतिकीविद् हैं, ने कहा कि ध्रुवों पर बर्फ के तेजी से पिघलने से उन जगहों पर बदलाव आता है जहां पृथ्वी का द्रव्यमान केंद्रित है। इसके कारण पृथ्वी के कोणीय वेग को प्रभावित करता है। ध्रुवों पर बर्फ की कमी से भूमध्य रेखा पर अधिक द्रव्यमान को जन्म देगी, जिससे धरती की गति प्रभावित होगी।

अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड, जैसे बड़े ग्लेशियरों का जमा हुआ पानी पिघल रहा है। यह ठोस बर्फ तरल पदार्थ बनकर धरती के अन्य हिस्सों में जा रहा है, जो कि बहकर पृथ्वी के भूमध्य रेखा तक पहुंच रहा है। इस अध्ययन से पता चला है कि मनुष्य कैसे कुछ ऐसा करने में सक्षम है जिसके बारे में कोई कभी सोचा भी नहीं सकता था कि यह मानवता के नियंत्रण में है। सर्वविदित है कि हर चार साल में एक बार फरवरी महीने में एक अतिरिक्त दिन जुड़ जाता है, जिसे लीप वर्ष के रूप में जाना जाता है, हालांकि हर कुछ वर्षों के बाद एक 'लीप सेकंड' भी जुड़ जाता है जो आमतौर पर दिसंबर या जून के अंत में होता है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पृथ्वी जिस गति से अपनी धुरी पर घूमती है उसमें थोड़ा उतार-चढ़ाव होता है, जिसका अर्थ है कि धरती पूरे 24 घंटे में अपना एक घूर्णन पूरा नहीं करती है, हालांकि अध्ययन के बाद, एग्न्यू ने 'नकारात्मक' लीप सेकंड का जिक्र किया है, जो इतिहास में पहली बार एक सेकंड का समय कम होना है यानी की 1 सेकेंड हमारे समय से डिलिट होगा। प्रोफेसर ने कहा कि पृथ्वी के तेजी से घूमने के कारण 2029 में नकारात्मक लीप सेकंड आ सकता है। इसके वजह से स्मार्टफोन और कंप्यूटर में 'अभूतपूर्व' समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि काफी स्टडी करने के बाद पता चला है कि धरती के सार्वभौमिक समय पर 2029 तक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

क्या खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी न्यायपालिका में किया हस्तक्षेप, जाँच के लिए कैबिनेट ने किया आयोग का गठन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की कैबिनेट ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के काम में खुफिया एजेंसियों के हस्तक्षेप के आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व में एक जांच आयोग के गठन को शनिवार को मंजूरी दे दी। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश तस्सदुक हुसैन जिलानी की अध्यक्षता वाला एक सदस्यीय आयोग एक पत्र के माध्यम से न्यायाधीशों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करेगा और 60 दिनों में अपनी रिपोर्ट देगा।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के न्यायाधीशों - न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी, न्यायमूर्ति बाबर सत्तार, न्यायमूर्ति सरदार इजाज इशाक खान, न्यायमूर्ति अरबाब मुहम्मद ताहिर और न्यायमूर्ति समन फफत इम्तियाज ने 26 मार्च को सर्वोच्च न्यायिक परिषद (एसजेसी) को एक पत्र लिखा था और न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप पर न्यायिक सम्मेलन बुलाने का आग्रह किया था। पत्र का जवाब देते हुए, पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने 28 मार्च को में प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के साथ एक बैठक के दौरान कहा था कि मामलों में कार्यपालिका द्वारा÷न्यायाधीशों के न्यायिक कामकाज में हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएग।''

बैठक में प्रधान न्यायाधीश और प्रधानमंत्री शरीफ एक जांच आयोग बनाने पर सहमत हुए थे। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को जब कैबिनेट बैठक में पत्र का मामला चर्चा में आया तो नौकरशाही के अधिकारियों और अन्य अप्रासंगिक व्यक्तियों से कमरे से बाहर जाने का अनुरोध किया गया। कैबिनेट सदस्यों ने आयोग का प्रमुख नियुक्त करने का अधिकार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को दिया था।

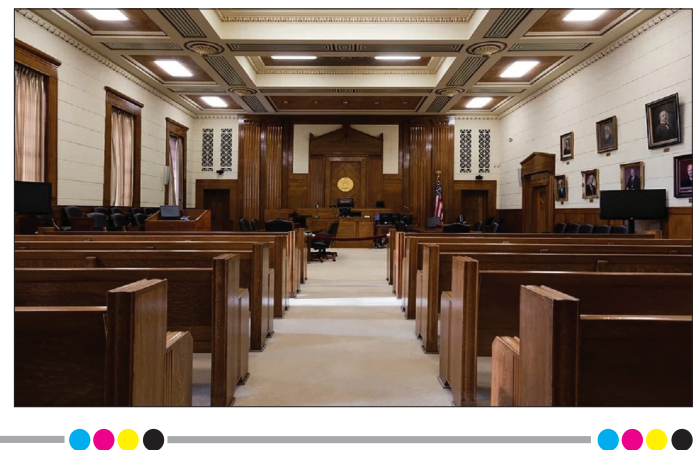

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने अचानक क्यों उठाया कच्चातिवु द्वीप का मामला, जिसे कांग्रेस ने श्रीलंका को सौंप दिया था

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव प्रचार और रैलियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर कच्चातिवु द्वीप मामले को उठाया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने इसे श्रीलंका को सौंपकर देश की अखंडता को कमजोर किया है। पीएम की इस पोस्ट ने अचानक कच्चातिवु द्वीप को चर्चा में ला दिया है। सबसे पहले कच्चाथीवू द्वीप के बारे में जान लेते हैं ये वह स्थान है, जहां तमिलनाडु के रामेश्वरम जैसे जिलों के मछुआरे जाते हैं क्योंकि भारतीय जल में मछलियां खत्म हो गई हैं। मछुआरे द्वीप तक पहुंचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करते हैं लेकिन श्रीलंकाई नौसेना द्वारा हिरासत में ले लिए जाते हैं। बता दें कि यह रिपोर्ट तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई द्वारा 1974 में पाक जलडमरूमध्य के क्षेत्र को पड़ोसी देश श्रीलंका को सौंपने के तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार के फैसले पर मिले एक आरटीआई जवाब पर आधारित है। रिपोर्ट में इस मुद्दे पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की टिप्पणियों का भी हवाला दिया गया है।

ये द्वीप हिंद महासागर में भारत के दक्षिण छोर पर है। ये भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच स्थित है। ये द्वीप 285 एकड़ में फैला है। ये द्वीप 17वीं सदी में मदुरई के राजा रामानंद के अधीन था। ब्रिटिश शासन में ये द्वीप मद्रास प्रेसीडेंसी के पास आया। साल 1921 में भारत और श्रीलंका दोनों ने मछली पकड़ने के लिए इस जगह को लेकर दावा किया। लेकिन इसके बाद इसको लेकर कुछ खास नहीं हुआ। आजादी के बाद समंदर की सीमा को लेकर साल 1974-76 के बीच चार समझौते हुए। जिसके तहत भारतीय मछुआरों को इस द्वीप पर जाल सुखाने, आराम करने की इजाजत दी गई। पीएम मोदी की यह प्रतिक्रिया सूचना के अधिकार रिपोर्ट में हुए इस खुलासे के बाद आई है, जिसमें खुलासा हुआ है कि कैसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। आरटीआई रिपोर्ट को आंखें खोलने वाली और चौंकाने वाली बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस कदम से लोग नाराज हैं और कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता।पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चाथीवू को श्रीलंका को दे दिया। इससे हर भारतीय नाराज है और लोगों के मन में यह बात आई है कि हम कभी भी कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकते! भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना कांग्रेस का काम करने का तरीका रहा है।

कांग्रेस ने क्यों सौंपा ये द्वीप

साल 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके ने एक समझौता किया था। इसके तहत कच्चाति द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया था। इसके लिए 26 जून को कोलंबो और 28 जून को दिल्ली में दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। इसके बाद कुछ शर्तों के साथ इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया था।

इसमें एक शर्त ये थी कि भारतीय मछुआरे जाल सुखाने के लिए इस द्वीप का इस्तेमाल करेंगे। इसके साथ ही इस द्वीप पर बने चर्च में भारतीयों को बिना विजा जाने की इजाजत होगी। हालांकि, भारतीय मछुआरे इस द्वीप पर मछली नहीं पकड़ सकते।भले ही इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया गया। लेकिन तमिलनाडु में इसका जमकर विरोध भी हुआ। उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इसका पुरजोर विरोध किया था। इसके खिलाफ साल 1991 में तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पास किया गया और इस द्वीप को वापस लेने की मांग की गई। इसके बाद ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा। साल 2008 में तत्कालीन सीएम जयललिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और कच्चातिवु द्वीप को लेकर हुए समझौते को अमान्य घोषित करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि गिफ्ट में इस द्वीप को श्रीलंका को देना असंवैधानिक है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में पल्लवी पटेल ने असदुद्दीन के साथ किया गठबंधन

- अखिलेश यादव के लिए पूर्वी यूपी में हो सकती हैं मुश्किलें

लखनऊ । पल्लवी पटेल ने सपा के वोट बैंक में सेंध लगाने की मानो पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन किया है। पल्लवी पटेल अखिलेश यादव के पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक अभियान का जवाब पिछड़ा, दलित और मुस्लिम को एक मंच पर लाकर देंगी। पल्लवी पटेल की पार्टी अपना दल (कमेरावादी) और ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया है। पल्लवी पटेल और ओवैसी के बीच इसको लेकर बैठक भी हुई है। दोनों नेताओं की तस्वीर भी सामने आई। पल्लवी के साथ उनके पति पंकज निरंजन भी मौजूद रहे। 2024 का लोकसभा चुनाव पल्लवी पटेल समाजवादी पार्टी के साथ ही मिलकर लड़ना चाहती थीं। वह फूलपुर, मिर्जापुर और कौशांबी जैसी सीटों की उम्मीद कर रही थीं, लेकिन माना जाता है कि अखिलेश यादव ने मिर्जापुर सीट पर उम्मीदवार उतारकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। फरवरी महीने में ही दोनों दलों के बीच मतभेद देखे गए थे, जब पल्लवी पटेल ने राज्यसभा चुनाव में सपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि अखिलेश यादव ने अपने पीडीए फॉर्मूले को नजरअंदाज किया है। इस गठबंधन की वजह से अखिलेश यादव के लिए पूर्वी यूपी में मुश्किलें हो सकती है, जहां फूलपुर, मिर्जापुर और कौशांबी जैसी सीटों पर पल्लवी पटेल की पार्टी की अच्छी पकड़ मानी जाती है। हालांकि, पिछले चुनाव में इन तीनों सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी और तीनों ही सीटों पर सपा के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे थे। अपना दल (के) ने 2022 के विधानसभा चुनावों में किसी भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ा था।

लौह अयस्क की ढुलाई कर रहे ट्रकों में नक्सलियों ने लगा दी आग

रायपुर । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने लौह अयस्क की ढुलाई कर रहे चार ट्रक में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात हुई घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने एक निजी कंपनी को आवंटित आमदई घाटी खदान से लौह अयस्क की ढुलाई कर रहे चार ट्रक को ओरछा-नारायणपुर मार्ग पर छोटेडोंगर पुलिस थाने के पास रोक लिया। नक्सलियों ने चालकों को ट्रक से उतरने को कहा और उसके बाद वे वाहनों को आग लगाकर फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची लेकिन तब तक ट्रक जलकर खाक हो चुके थे। नक्सली लंबे समय से आमदई घाटी खदान परियोजना का विरोध कर रहे हैं और वे पहले भी यहां काम में लगे वाहनों में आगजनी कर चुके हैं।

युवक ने फर्जी डिप्टी एसपी लिखी गाड़ी के साथ बनाई रील, पीछे पड़ी पुलिस

बेगूसराय । इंस्टाग्राम रील के जरिए सोशल मीडिया पर चर्चित होने की सनक ने बिहार के बेगूसराय में एक युवक ने स्कॉर्पियो गाड़ी पर फर्जी डिप्टी एसपी का बोर्ड और ऊपर लाल बत्ती लगाकर रील वीडियो बनाया था जो बाद में वायरल हो गया। उसने उस रील वीडियो में खुद को डिप्टी एसपी बताकर इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया। हैरानी की बात ये है कि उसने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर भी डेप्युटी सुपरीटेंडेंट ऑफ पुलिस लिख रखा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। बता दें कि साइबर थाने को 23 मार्च को दो वीडियो मिला था जिसमें स्कॉर्पियो गाड़ी पर पुलिस लिखा हुआ था और उस पर डिप्टी एसपी का फर्जी बोर्ड भी लगा था। इस गाड़ी से निकलकर एक युवक ने गाने पर रील बनाया था। जब वायरल वीडियो की जांच की गई तो रील बनाने वाले युवक की पहचान रिफाइनरी थाना क्षेत्र के मोसादपुर गांव में रहने वाले करण कुमार के रूप में हुई. उसके पिता का नाम नारायण महतो है। जांच में यह भी सामने आया कि करण कुमार पुलिस विभाग से जुड़ा हुआ नहीं है और न ही वो डिप्टी एसपी है। इसके बावजूद वह फर्जी तरीके से स्कॉर्पियो वाहन पर डिप्टी एसपी का बोर्ड लगाकर और पुलिस लिखकर चल रहा था। नियम के मुताबिक फर्जी तरीके से वाहन पर पुलिस लिखना और डिप्टी एसपी का बोर्ड लगाना गैर कानूनी है।

एयर इंडिया के पट्टा घोटाले की सीबीआई ने पेश की क्लोजर रिपोर्ट, कांग्रेस बोली

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर लगाए आरोप फर्जी, माफी मांगे मोदी

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पट्टा घोटाले मामले में सीबीआई ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट पेश कर दी है। आरोप लगाए गए हैं कि यूपीए सरकार के समय में एयर इंडिया के पट्टा मामले में अनियमितता की वजह से लगभग 860 करोड़ रुपये का नुकासन हुआ था। उस वक्त प्रफुल्ल पटेल एविएशन मिनिस्टर थे। इस पर अब कांग्रेस का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए। यूपीए सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए गए थे। मोदी सरकार को देश की जनता से भी माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि अजित पवार गुट और भाजपा के बीच हुए गठबंधन की वजह से ही यह मामला बंद किया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी इस कथित घोटाले की कैग रिपोर्ट लेकर जगह-जगह जाते थे। एक दिन पहले ही सीबीआई ने मामले की क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है क्योंकि एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल अब भाजपा में चले गए हैं। वह भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ हो गए हैं। उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी को पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह और सारे देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, आखिर किस आधार पर मनमोहन सिंह पर आरोप लगाए गए थे।जयराम ने कहा कि कैग रिपोर्ट के आधार पर मनमोहन सिंह के खिलाफ चार्जशीट फाइल कर दी गई। प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ जब मामला बंद हो गया तो यह क्या साबित करता है। इससे पता चलता है कि डॉ. मनमोहन सिंह पर लगाए गए आरोप फर्जी थे। 2017 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की थी। आरोप था कि तत्कलीन एविएशन मिनिस्टर प्रफुल्ल पटेल ने अपने पद का इस्तेमाल करते हुए एयर इंडिया के रूट्स को दूसरे एयरलाइन्स को अलॉट करवा दिया था जिससे सरकारी एयरलाइन को घाटा हुआ था।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को मतदान से पहले ही मिली जीत

-अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों पर 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों पर भी 19 अप्रैल को मतदान होना है। अरुणाचल की 10 सीटों पर बीजेपी को मतदान से पहले ही जीत हासिल हो गई है। इनमें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री भी शामिल हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ देश के चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों पर 19 अप्रैल को वोट पड़ेगे से पहले ही यह खबर खुशियां बन गई हैं कि अरुणाचल की 10 सीटों पर भाजपा को वोटिंग से पहले ही जीत हासिल हो गई है। इनमें वहां के सीएम पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चाउना मेन निर्विरोध चुने गए हैं। पेमा खांडू ने मुक्तो विधानसभा से अपना नामांकन दाखिल किया था। चूंकि किसी और उम्मीदवार ने पर्चा नहीं भरा । ऐसे में पेमा खांडू को निर्विरोध चुन लिया गया है बाकी नौ सीटों पर भी इसी तरह भाजपा उम्मीदवारों को जीत मिली है। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि नामांकन वापसी की तारीख खत्म होने के बाद पेमा खांडू और नौ अन्य को निर्विरोध चुना गया। उन्होंने कहा कि छह विधानसभा क्षेत्रों में एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया है, जबकि चार अन्य में विपक्षी उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया है। मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में खांडू का यह चौथा कार्यकाल होगा। अपने पिता और पूर्व सीएम दोरजी खांडू की हेलीकाप्टर दुर्घटना में मौत के बाद 2010 में हुए उपचुनाव में वह कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में इस सीट से निर्विरोध चुने गए थे। मुख्यमंत्री ने 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में भी भारी अंतर से जीत दर्ज की थी। उपमुख्यमंत्री चाउना मेन दूसरी बार चौखम विधानसभा क्षेत्र से चुने गए।

ये उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए

जो अन्य उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए वे हैं ताली विधानसभा क्षेत्र से जिक्के ताको, तलिहा से न्यातो डुकोम, रोइंग से मुत्चू मिथि, हयुलियांग से दासंगलू पुल, बोमडिला से डोंगरू सिओंगजू और सागली से रातू तेची और जीरो से हापोली से हेज अप्पा पहली बार चुने गए हैं। राज्य में 19 अप्रैल को एक चरण में चुनाव होंगे। वहीं परिणाम दो जून को घोषित किया जाएगा।

मुख्तार के भाई सांसद अफजाल अंसारी ने लगाए आरोप

मुख्तार अंसारी की मौत सामान नहीं, सरकारी मशीनरी ने रची साजिश

गाजीपुर। यूपी के बाहुबली पूर्व विधायक और गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी को शनिवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उसके बाद मुख्तार के परिजनों ने दावा किया है कि मुख्तार अंसारी की मौत सामान मौन नहीं है। उनका कहना है कि पूरी सरकार और उसकी मशीनरी ने बहुत बड़ी साजिश रची है। मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके भाई सांसद अफजाल अंसारी ने कुछ चौंकाने वाले दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्तार की मौत अटैक से नहीं उन्हें मार कर रास्ते से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि सही वक्त आने पर वह इसके पुख्ता सुबूत देंगे कि मुख्तार अंसारी को जेल में जहर देकर मारा गया है। अफजाल अंसारी ने कहा कि उन्हें कोई शर्म नहीं है, 26 मार्च को मुख्तार को बांदा जेल से मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। जब हम अस्पताल पहुंचे तो हमें सिर्फ 5 मिनट ही मिलने दिया। इस दौरान मुख्तार अंसारी ने कहा कि उनको जहर दिया गया था और इस वजह से वह बेहोश हो गए थे। मुख्तार ने बताया था कि वह बहुत तकलीफ में हैं।

मिट्टी देने के लिए अनुमति की जरूरत नहीं

मुख्तार अंसारी के जनाजे में बड़ी संख्या में उनके समर्थकों की भीड़ थी, जो मिट्टी देने कब्रिस्तान के अंदर जाना चाहती थी। दूसरी तरफ पुलिस प्रशासन ने सिर्फ परिवार के लोगों को ही कब्रिस्तान के अंदर जाने की इजाजत दी थी। जब गाजीपुर डीएम ने अफजाल से अंदर जाने वाले लोगों पर बात की तो तीखी बहस हो गई। इस दौरान अफजाल ने गुस्से में कहा कि अगर दूसरे लोग भी मुख्तार के सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होना चाहते हैं, तो उन्हें कोई नहीं रोक सकता। अफजाल ने कहा कि आप चाहे कुछ भी हों, धार्मिक प्रयोजन के लिए या किसी को मिट्टी देने के लिए अनुमति की जरूरत नहीं होती है. इस पर डीएम ने कहा यहां धारा 144 लगी हुई है।

विरोधियों पर भाजपा का तंज, लोकतंत्र बचाओ नहीं, बल्कि "परिवार बचाओ' और "भ्रष्टाचार छुपाओ रैली

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रामलीला मैदान में विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन की रैली की आलोचना कर कहा कि यह ''लोकतंत्र बचाओ'' नहीं, बल्कि ''परिवार बचाओ' और ''भ्रष्टाचार छुपाओ रैली है। विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए भ्रष्टाचार की जांच में उन्हें फंसाने के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के बीच भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सहित कई नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों का उल्लेख कर कहा कि ये सभी आरोप 2014 से पहले के हैं। भाजपा नेता त्रिवेदी ने कहा कि कभी अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन (इंडिया अगेन्स्ट करप्शन) की मेजबानी करने वाला रामलीला मैदान एक रैली में सभी भ्रष्टाचारियों को एक साथ देखेगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य विपक्षी दलों के साथ आने के संदर्भ में कहा कि जिन लोगों ने कई नेताओं को चोर और बदमाश बताकर कुचल दिया था, उन्होंने उनसे हाथ मिला लिया है। उन्होंने कहा कि उनके नेता अब लालू प्रसाद यादव हैं, जो भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि वे सभी अपने पुराने पापों को छिपाने के लिए रैली में आए हैं और यह गौर करने वाली बात है कि उन्होंने राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया था तथा उनमें से कुछ ने हिंदुत्व को मिटाने का आह्वान किया था।

चिराग ने बिहार की सभी पांच सीटों के लिए घोषित किए प्रत्याशी

पटना ।

चिराग पासवान की अध्यक्षता वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने हिस्से में आईं बिहार की सभी पांच लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। हालांकि, चिराग के बहनोई अरुण भारती पहले ही जमुई से नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं, जहां से पार्टी अध्यक्ष दो बार सांसद रह चुके हैं। चिराग इस बार अपने दिवंगत पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के क्षेत्र हाजीपुर से अपनी किस्मत आजमाएंगे। लोजपा (रामविलास) द्वारा जारी बयान के अनुसार, शेष तीन सीटों समस्तीपुर, खगड़िया और वैशाली के लिए पार्टी क्रमशः शांभवी चौधरी, राजेश वर्मा और मौजूदा सांसद वीणा देवी को मैदान में उतारेगी। चौधरी जदयू के वरिष्ठ नेता एवं नीतीश सरकार के सबसे प्रभावशाली मंत्रियों में से एक अशोक चौधरी की बेटी हैं, जो चुनावी मैदान में पदार्पण कर रही हैं। दलितों के लिए आरक्षित उनकी सीट पर चिराग के चचेरे भाई प्रिंस राज का कब्जा था जो पार्टी के दो भाग होने पर चाचा पशुपति पारस के साथ चले गए थे। चिराग के विश्वासपात्र वर्मा को मौजूदा सांसद चौधरी महबूब अली कैसर की जगह तरजीह दी गई है, जिन्होंने शुरू में पारस का पक्ष लिया था, लेकिन हाल ही में उन्होंने रुख बदल लिया और लगातार तीसरी पारी की उम्मीद में चिराग की कड़ी पैरवी की।

सूत्रों ने बताया कि वर्मा को भाजपा के प्रति वफादार माने जाने वाले वैश्यों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए गठबंधन सहयोगियों के बीच व्यापक समझ के कारण चुना गया है।

वीणा देवी चिराग गुट में लौटने वाली लोजपा के बागियों में पहली थीं। वह ऊंची जाति की राजपूत हैं, जिनकी शादी जदयू के विधान पार्षद दिनेश कुमार सिंह से हुई है।

चुनौतियों में फंसी कंगना की डगर नहीं है आसान

अपने ही दे रहे हैं चुनौती

शिमला।

भाजपा ने अभिनेत्री कंगना रनौत को मंडी लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। कंगना अपनी जीत के लिए भारी मशक्कत कर रहीं हैं। लेकिन उनके विरोधी दल उनकी राह रोकने के लिए चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। मंडी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के असंतुष्टों और पूर्व शाही परिवार के प्रभाव के कारण कंगना रनौत की राह मुश्किलों से भरी हो सकती है।हिमाचल बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष, तीन बार सांसद रह चुके कुल्लू के पूर्व शाही परिवार के वंशज महेश्वर सिंह ने पार्टी आलाकमान से रनौत को टिकट देने संबंधी फैसले की समीक्षा करने को कहा है। वहीं, भाजपा के जिन असंतुष्टों ने 2022 के विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, उन्होंने रणनीति तैयार करने के लिए एक बैठक की है। कंगना रनौत ने शुक्रवार को एक रोड शो और रैली के साथ अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया तो बीजेपी नेता महेश्वर सिंह ने पार्टी आलाकमान से रनौत को टिकट देने संबंधी फैसले की समीक्षा करने का आग्रह करते हुए कहा कि पार्टी में रनौत का 'कोई योगदान नहीं है' और दावा किया कि उन्हें (सिंह को) टिकट देने का वादा किया गया था। उन्होंने कहा, भाजपा आलाकमान से अपने फैसले की समीक्षा करने पर बातचीत चल रही है।

मुझे पहले टिकट देने का वादा किया गया था। कंगना की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद महेश्वर सिंह के बेटे हितेश्वर सिंह, भाजपा के पूर्व महासचिव राम सिंह और अन्नी के पूर्व विधायक किशोरी लाल - तीनों जिन्होंने भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद 2022 का विधानसभा चुनाव निर्दलीय के रूप में लड़ा था - ने अन्य असंतुष्ट भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष और मंडी सीट से मौजूदा सांसद प्रतिभा सिंह पहले ही पार्टी टिकट की दौड़ से बाहर हो गई हैं। उन्होंने कहा था कि जमीनी हालात हमारे अनुकूल नहीं है और कार्यकर्ता निराश हैं। हालांकि कंगना को भाजपा उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल दिया है और कहा है कि वह कांग्रेस के निर्देशों का पालन करेंगी।

रनौत के लिए राहत की बात यह है कि कारगिल युद्ध के नायक एवं भाजपा नेता खुशाल ठाकुर ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया है। उन्होंने शनिवार को कहा, 'मैं कंगना का समर्थन कर रहा हूं। इस संसदीय क्षेत्र में एक लाख से अधिक पूर्व सैनिक हैं।'

रनौत ने शुक्रवार को अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित करते हुए खुद को मंडी के लोगों की ''बेटी और बहन'' बताया था। उन्होंने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश से आने के कारण उन्हें लगातार धमकाया जाता है। उन्होंने कहा, मैंने अपने गांव में एक छोटा देवी मंदिर बनवाया है और मनाली में एक घर बनाया है। मैंने अपने लिए एक जगह बनाने के लिए संघर्ष किया और कड़ी मेहनत की। उन्होंने प्रतिभा सिंह और विक्रमादित्य सिंह पर परोक्ष हमला करते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि मेरे पिता या पति मुख्यमंत्री हैं और मैं राजनीति में आ गई हूं। बता दें कि मंडी संसदीय क्षेत्र में 17 विधानसभा सीट शामिल हैं, इनमें से आठ अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

भाजपा ने सनी देओल का टिकट काटा, 3 राज्यों के 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली।

गुरदासपुर से सांसद एवं फिल्म अभिनेता सनी देओल का इस बार भाजपा ने टिकट काट दिया है। माना जा रहा है कि अभिनेता का आम जनता से कोई लेना देना नहीं रहा। हमेशा ही दूरी बनाकर कर रखी। उनसे मुलाकात करना और समस्याएं बताना काफी कठिन हुआ करता था। शायद यही वजह रही कि इस बार भाजपा ने उन्हे बाहर का रास्ता दिखा दिया। भाजपा ने पंजाब के गुरुदासपुर से देओल की जगह दिनेश सिंह बब्बू को प्रत्याशी बनाया है।भारतीय जनता पार्टी लोकसभा के लिए उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में तीन राज्यों के 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है। भाजपा ने पंजाब से 9, उड़ीसा से 3 और पश्चिम बंगाल से दो उम्मीदवारों का ऐलान किया है। उड़ीसा की कटक सीट से भतृहरि महताब को उम्मीदवार बनाया है। भतृहरि महताब शुक्रवार को ही बीजेडी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। जाजपुर से रबिंद्र नारायण बेहरा, कंधमाल से सुकांत कुमार पाणिग्राही को प्रत्याशी बनाया है। पश्चिम बंगाल की झारग्राम से प्रणत टुडू और बीरभूमि से पूर्व आईपीएस अधिकारी देवाशीष धर को टिकट दिया है। इसके अलावा आप छोड़कर भाजपा में आए

सुशील कुमार रिंकू को जालंधर सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाया है। हाल ही में कांग्रेस छोड़कर आए रवनीत सिंह बिट्टू को लुधियाना से मैदान में उतारा है। ब्यूरोक्रेट से नेता बने तरणजीत संधू को अमृतसर, हंसराज हंस को दिल्ली की बजाय पंजाब के फरीदकोट से उम्मीदवार बनाया है। पटियाला से पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर को टिकट दिया है। परनीत कौर हाल ही में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई